दैनिक
पंचकूला ऑब्जर्वर
सच के साथ, समाज के साथ

वर्ष : 1 | अंक : 78 | पंचकूला। शुक्रवार, 24 अप्रैल 2026 | www.panchkulaobserver.com | मूल्य : 3 रुपए | RNI No. : HRBIL/25/4317 | पृष्ठ : 4

सुविचार

हमें पता होना चाहिए कि भाग्य भी कमाया जाता है थोपा नहीं जा सकता। और ऐसी कोई कृपा नहीं है जो कमाई ना जा सके।

मंजूरियों के बिना निर्माण नहीं, मास्टर प्लान पर उठे सवाल

ट्रिब्यून चौक-जीरकपुर फ्लाईओवर पर हाई कोर्ट की सख्ती

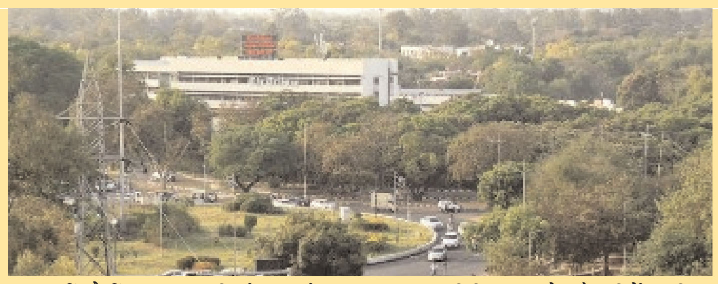

चंडीगढ़. ट्रिब्यून चौक से जीरकपुर तक प्रस्तावित फ्लाईओवर परियोजना को लेकर पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट ने कड़ा रुख अपनाया है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि पर्यावरणीय मंजूरी और अन्य आवश्यक अनुमतियों के बिना इस परियोजना का निर्माण कार्य शुरू नहीं किया जा सकता। मामले की अगली सुनवाई 24 अप्रैल को तय की गई है। मुख्य न्यायाधीश शील नागू की अध्यक्षता वाली पीठ ने सुनवाई के दौरान कहा कि पूर्व में लगी रोक भले हट चुकी हो, लेकिन जब तक सभी वैधानिक मंजूरियां प्राप्त नहीं होतीं, तब तक निर्माण कार्य पर प्रभावी रोक बनी रहेगी। हालांकि कोर्ट ने फिलहाल नई रोक लगाने से इनकार किया, लेकिन प्रशासन को नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। याचिकाकर्ता की ओर से दलील दी गई कि परियोजना की तकनीकी बोली प्रक्रिया लगभग पूरी हो चुकी है और मई के पहले सप्ताह से निर्माण शुरू होने की संभावना है। ऐसे में यदि अदालत का अंतिम निर्णय समय पर नहीं आता है तो तीसरे पक्ष के अधिकार बन सकते हैं, जिससे मामला जटिल हो सकता है। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि विकास कार्य आवश्यक हैं, लेकिन पर्यावरणीय मानकों की अनदेखी किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं होगी। प्रशासन को निर्देश दिए गए हैं कि सभी प्रक्रियाएं पूरी किए बिना परियोजना को आगे न बढ़ाया जाए। पंचकूला निवासी याचिकाकर्ता जगवंत सिंह बाथ ने अपनी याचिका में कहा है कि फ्लाईओवर निर्माण से बड़ी संख्या में आम के पेड़ों की कटाई होगी, जिसके लिए आवश्यक अनुमति नहीं ली गई है। साथ ही, चंडीगढ़ के मास्टर प्लान में इस परियोजना का कोई प्रावधान नहीं होने का मुद्दा भी उठाया गया, जिससे इसकी वैधता पर सवाल खड़े होते हैं। सुनवाई के दौरान अदालत ने प्रशासन से यह भी पूछा कि पहले लगी रोक हटने के बाद अब तक क्या प्रगति हुई है। प्रशासन ने बताया कि संशोधित प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा जा चुका है और टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

एक नजर

हिमशिखा मार्केट से गुरुद्वारा रोड हिमशिखा ऐरिया का प्रातः कालीन निरीक्षण

कालका। नगर निगम पंचकूला के आयुक्त श्री विनय कुमार के निर्देशानुसार, कार्यकारी अधिकारी-सह-उप-नगर आयुक्त, नगर परिषद कालका श्री अभय सिंह द्वारा आज प्रातः साढे सात बजे हिमशिखा मार्केट से गुरूद्वारा रोड़ हिमशिखा ऐरिया का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान के नगर परिषद कालका के प्रधान श्री कृष्ण लाल लाम्बा, श्रीमती पबना कुमारी, श्रीमती शबनम पंवार, पार्षद वार्ड न0-14, श्री शिवशम्भु एंव अन्य गणमान्य नागरिक, परिषद अभियन्ता श्री दीपक सुखिजा, श्री अजय कुमार, कनिष्ठ अभियन्ता, श्री अंकित कुमार सफाई निरीक्षक, श्री अनील कुमार, सहायक सफाई निरिक्षक तथा अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण, जलभराव प्वाईंटस, चल रहे विकास कार्यों तथा लाईट आदि व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। साथ ही नागरिकों की समस्याएं एंव सुझाव सुनकर मौके पर ही सम्बन्धित एजेन्सी तथा अधिकारी को तुरन्त प्रभाव से समस्या का निवारण करने के निर्देश दिये गये।

चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड के मकानों की तोड़फोड़ रोकी जाए : देवशाली

चंडीगढ़. चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड के हजारों मकानों पर मंडरा रहे तोड़फोड़ के खतरे को लेकर नगर निगम के पूर्व पार्षद एवं चंडीग? हाउसिंग बोर्ड के डायरेक्टर शक्ति प्रकाश देवशाली ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड के लगभग 50 हजार से अधिक फ्लैटों में करीब 4 लाख लोग निवास करते हैं और इनमें से अधिकांश परिवार पिछले 40-45 वर्षों से वहां रह रहे हैं। देवशाली ने कहा कि समय के साथ परिवारों के बढ़ते आकार और सीमित आवासीय विकल्पों के कारण लोगों ने अपने आवंटित प्लॉटेड एरिया के भीतर ही आवश्यकता अनुसार छोटे-मोटे बदलाव और अतिरिक्त निर्माण किए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि अधिकांश मामलों में सरकारी भूमि पर अतिक्रमण नहीं किया गया, बल्कि आवंटित सीमा के भीतर ही निर्माण हुआ है। उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड की पुरानी नीतियों के कारण एक बार किसी स्कीम का लाभ लेने वाले परिवार भविष्य में बड़ी आवासीय योजना के लिए पात्र नहीं रहते।

कई काम अभी भी ऐसे हैं जो लोगों की मूलभूत सुविधाओं पर केंद्रित : भारत हितैषी

पंचकूला। वार्ड नंबर 4 से भाजपा टिकट के लिए समाजसेवी भारत हितैषी को भारतीय जनता पार्टी ने अपना उम्मीदवार बनाया है। भारत हितैषी ने टिकट मिलने के बाद माता मनसा देवी मंदिर पहुंचकर माता का आर्शीवाद लिया। उसके बाद शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया। हितैषी को टिकट मिलते ही उनके निवास पर बधाई देने वालों का तांता लग गया। भारत हितैषी ने कहा कि वह वार्ड नंबर 9 और 10 की समस्याओं को हल करने में कोई कसर नहीं छो?ंगे। कई काम अभी भी ऐसे हैं, जोकि लोगों की मूलभूत सुविधाओं पर केंद्रित है। उन्होंने कहा कि वह चुनाव जीतने के बाद सभी काम प्राथमिकता के आधार पर हल करवाएंगे। भारत हितैषी ने बताया कि उनकी हितैषी फाउंडेशन के माध्यम से पिछले 15 वर्षों में संस्था ने 5667 लोगों से नेत्रदान, अंगदान और देहदान के शपथ पत्र भरवाकर उन्हें पीजीआई चंडीगढ़ में पंजीकृत करवाया है। यह आंकड़ा न केवल बड़ा है, बल्कि समाज में जागरूकता और विश्वास का प्रतीक भी है। संस्था के प्रयासों से अब तक 26 व्यक्तियों ने मरणोपरांत अपनी देह पीजीआई को समर्पित की है। इसके अलावा 19 व्यक्तियों की मृत्यु के बाद 38 नेत्रों का दान और 10 व्यक्तियों की मृत्यु उपरांत 20 किडनियों का सफल प्रत्यारोपण करवाया गया है। यह कार्य न केवल कई लोगों को नया जीवन देने में सहायक बना है, बल्कि समाज में अंगदान के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करने में भी

टीएमसी का महिला विरोधी चेहरा एक बार फिर सामने आया : पीएम मोदी

- **पहले चरण में 152 सीटों पर मतदान, दूसरे चरण की 142 सीटों पर प्रचार तेज**
- **पीएम मोदी का दावा—4 मई टीएमसी के 'सिंडिकेट राज' की एक्सपायरी डेट**
- **पहली बार वोट देने वाले युवाओं से भाजपा के पक्ष में मतदान की अपील**

पंचकूला ऑब्जर्वर

कोलकाता. पश्चिम बंगाल में गुरुवार को एक ओर जहां पहले चरण के तहत 152 सीटों पर मतदान जारी है जबकि दूसरे चरण की 142 सीटों के लिए चुनाव प्रचार भी पूरी तेजी पर है। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मथुरापुर में आयोजित 'विजय संकल्प रैली' में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि टीएमसी और उसके सहयोगी दलों का 'महिला विरोधी चेहरा' एक बार फिर सामने आ गया है। पीएम मोदी ने दावा किया कि 4 मई, टीएमसी के सिंडिकेट और महाजंगलराज की एक्सपायरी डेट है। 4 मई के बाद इस लूट का पूरा हिसाब होगा। प्रधानमंत्री ने संसद का जिक्र करते हुए कहा कि भाजपा सरकार 2029 के लोकसभा चुनाव से महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का प्रस्ताव लेकर आई थी, लेकिन टीएमसी ने इसके खिलाफ वोटिंग की। उन्होंने आरोप लगाया कि इस फैसले से बंगाल की महिलाओं का हक छीना गया। रैली के दौरान प्रधानमंत्री ने गंगासागर पहुंचने पर खुद को सौभाग्यशाली बताते हुए मां गंगा को नमन किया। उन्होंने कहा कि काशी और गंगा का सेवक होने के नाते इस पवित्र भूमि पर आना उनके लिए सम्मान की बात है। पीएम मोदी ने दावा किया कि बंगाल में परिवर्तन की आंधी चल रही है। उन्होंने कहा कि पहले चरण के मतदान में जिस तरह महिलाओं और युवाओं ने टीएमसी के खिलाफ मतदान किया है, वह पूरे देश ने देखा है। उन्होंने कहा, बंपर मतदान यह संकेत दे रहा है कि भय हार रहा है और भरोसे की जीत तय है। दस दिन बाद जब मतगणना होगी, तो हर तरफ कमल ही कमल खिला होगा। उन्होंने पहली बार वोट देने वाले मतदाताओं से खास अपील करते हुए कहा कि यह सही समय है बंगाल की 'निर्मम सरकार' को उखाड़ फेंकने का। प्रधानमंत्री ने कहा कि राज्य में महिलाएं सबसे ज्यादा पीड़ित हैं और आरजी कर तथा संदेशखाली जैसी घटनाएं दिखाती हैं कि अपराधियों को संरक्षण दिया जा रहा है। बंगाल की माताएं और बेटियां जिन कठिनाइयों से गुजरी हैं, उसे वे कभी नहीं भूलेंगी।

पीएम मोदी ने कहा कि अब अत्याचार और अन्याय को और बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पिछले 15 वर्षों से टीएमसी गलत काम कर रही है। इससे पहले बंगाल ने 30 साल तक वामपंथी शासन देखा और फिर टीएमसी को तीन बार मौका दिया, लेकिन अब बदलाव का समय आ गया है। उन्होंने केंद्र सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना, जनधन योजना, लखपति दीदी, आयुष्मान कार्ड और पीएम किसान सम्मान निधि जैसी योजनाओं का लाभ देशभर में मिला है। उन्होंने आरोप लगाया कि टीएमसी ने केवल झूठे वादे किए। प्रधानमंत्री ने बाढ़ और चक्रवात का मुद्दा उठाते हुए कहा कि हर साल इस क्षेत्र में लोग प्रभावित होते हैं, लेकिन राज्य सरकार को उनकी कोई चिंता नहीं है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने राहत के लिए हजारों करोड़ रुपए भेजे, लेकिन वह पैसा लोगों तक नहीं पहुंचा और उसका दुरुपयोग हुआ। उन्होंने कहा कि बंगाल की यह स्थिति तब बदलेगी जब राज्य में भाजपा की सरकार बनेगी। आपने केंद्र में भाजपा को चुना है, अब राज्य में भी भाजपा को मौका दीजिए। मथुरापुर के भंग मेले का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि भाजपा इसे स्वच्छ भारत मिशन का गौरव बनाएगी। उन्होंने कारीगरों को डिजिटल स्किल और सुरक्षा उपकरण देने का वादा किया और मेले को एक व्यवस्थित मार्केट हब के रूप में विकसित करने की बात कही।

चंडीगढ़ में 40 डिग्री तापमान

हीटवेव और 'वॉर्म नाइट' का अलर्ट

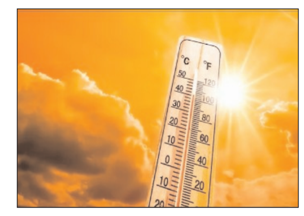

चंडीगढ़. शहर में गर्मी ने अब अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। चंडीगढ़ में चल रही गर्म हवाओं ने अभी से दोपहर को लोगों का घरों से निकलना मुश्किल कर दिया है। अप्रैल में ही जून जैसी भीषण गर्मी का अहसास होने लगा है। वीरवार को अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, एक हफ्ते के अंदर दूसरी बार तापमान 40 डिग्री रहा है, जबकि न्यूनतम तापमान 20.9 डिग्री सेल्सियस रहा । बीती 18 अप्रैल को भी दिन का पारा 40 डिग्री दर्ज किया गया था। मौसम विभाग ने 24 और 25 अप्रैल को हीटवेव का अलर्ट जारी किया है। इस दौरान शुष्क मौसम और तेज धूप के कारण तापमान में और बढ़ोतरी होगी। दिन के साथ-साथ रात के समय भी गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद कम है, जिसके चलते 'वॉर्म नाइट' का भी अलर्ट जारी किया गया है। 23 से 25 अप्रैल तक आसमान साफ रहेगा और अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है।

5 दिन का येलो अलर्ट, तापमान में लगातार बढ़ोतरी: अगले 4 से 5 दिनों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान दिन के तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी होने की संभावना है। शुक्रवार और शनिवार को आंशिक रूप से बादल छाए रह सकते हैं, लेकिन गर्मी का असर बना रहेगा। इन दिनों अधिकतम तापमान 40 डिग्री और न्यूनतम तापमान 24 डिग्री के आसपास रहने का अनुमान है। रविवार को मौसम साफ रहेगा और तापमान में कोई खास गिरावट नहीं आएगी। 26 से 28 अप्रैल को बदल सकता है मौसम: मौसम विभाग के अनुसार 26 से 28 अप्रैल के बीच मौसम में बदलाव आ सकता है। इस दौरान तेज हवाओं के साथ गरज-चमक वाले तूफान की संभावना है। 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं, जिससे तापमान में हल्की गिरावट और लोगों को थोड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। तापमान में 3 से 5 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी को देखते हुए विशेषज्ञों ने लोगों को दोपहर के समय धूप में निकलने से बचने की सलाह दी है। अधिक से अधिक पानी पीने, शरीर को हाइड्रेट रखने और हल्के रंग के सूती कपड़े पहनने की अपील की गई है। खासतौर पर बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों को विशेष सावधानी बरतने के लिए कहा गया है।

शिमला क्लब तक 10 मई तक पूरा करें तारकोल बिछाने का कार्य: सुक्खू

पंचकूला ऑब्जर्वर

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने वीरवार को यहां लोक निर्माण विभाग की बैठक की अध्यक्षता करते हुए अधिकारियों को निर्माणाधीन यूटिलिटी डक्ट के ऊपर तारकोल बिछाने का कार्य शिमला क्लब तक 10 मई और लिफ्ट तक 15 जून तक पूरा करने के निर्देश दिए ताकि आम जनता को सुविधा मिल सके। उन्होंने कहा कि शिमला शहर में छोटा शिमला से विलीज पार्क तक सात किलोमीटर लंबे यूटिलिटी डक्ट के निर्माण पर 145 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। उन्होंने विभाग को कार्य में तेजी लाने और निर्धारित समय सीमा में इसे पूरा करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिमला न केवल राज्य की राजधानी है बल्कि एक प्रमुख पर्यटन स्थल भी है, जहां हर वर्ष लाखों पर्यटक आते हैं।

उन्होंने कहा कि शहर को पेड़ों पर लटके तारों के जाल से मुक्त किया जाना चाहिए ताकि पर्यटकों को बेहतर अनुभव मिल सके। उन्होंने कहा कि यह परियोजना पर्यटन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। शिमला को 'पहाड़ों की रानी' कहा जाता है और इसकी सुंदरता को बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है।

यह यूटिलिटी डक्ट छोटा शिमला से विलीज पार्क, सचिवालय होते हुए लोक भवन से ओक ओवर तक तथा शेर-ए-पंजाब से लोअर बाजार होते हुए सीटीओ और विलीज पार्क तक विस्तारित होगा। इन डक्ट्स में बिजली, पानी की पाइपलाइन और अन्य केबल्स को भूमिगत किया जाएगा, जिससे शहर की सुंदरता में सुधार होगा। बैठक में उद्योग मंत्री हर्षवर्धन चौहान, मुख्यमंत्री के सचिव राकेश कंवर और आशीष सिंहमार तथा लोक निर्माण विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

हरियाणा मानवाधिकार आयोग ने एनआईटी कुरुक्षेत्र में आत्महत्या की घटनाओं पर मांगी रिपोर्ट

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़. हरियाणा मानवाधिकार आयोग ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान कुरुक्षेत्र में हाल के दिनों में सामने आई आत्महत्या और आत्महत्या के प्रयास की कई घटनाओं का स्वतः संज्ञान लेते हुए विस्तृत जांच शुरू की है। आयोग ने मीडिया रिपोर्ट और प्रारंभिक जानकारी का हवाला देते हुए कहा कि कम समय में इस तरह की कई घटनाएं सामने आना छात्र सुरक्षा, मानसिक स्वास्थ्य और संस्थागत जवाबदेही को लेकर गंभीर चिंता पैदा करता है। रिपोर्ट के मुताबिक, एक प्रथम वर्ष के छात्र ने हॉस्टल की पांचवीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या करने का प्रयास किया, लेकिन समय रहते उसे बचा लिया गया और अस्पताल में भर्ती कराया गया। इससे पहले 16 अप्रैल को एक द्वितीय वर्ष के छात्र का शव उसके हॉस्टल कमरे में मिला था। इस घटना के बाद छात्रों ने प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए विरोध प्रदर्शन किया था। इसके अलावा फरवरी और मार्च में भी दो छात्रों की मौत के मामले सामने आए, जबकि 8 अप्रैल को भी एक और घटना दर्ज की गई, जो इस तरह की घटनाओं के लगातार सामने आने की ओर इशारा करती है। आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) ललित बत्रा, सदस्य कुलदीप जैन और दीप भाटिया ने चिंता जताते हुए कहा कि लगातार घटनाओं के बावजूद संस्थान की ओर से उठाए गए कदम सीमित नजर आते हैं। अब तक केवल दो प्रोफेसरों का तबादला किया गया है, जो पर्याप्त नहीं है। 18 अप्रैल को हुए ताजा आत्महत्या प्रयास के बाद आयोग ने माना कि अब तक उठाए गए कदम न तो पर्याप्त हैं और न ही प्रभावी। आयोग ने यह भी कहा कि इन घटनाओं से संस्थान में मानसिक स्वास्थ्य सहायता, काउंसलिंग सेवाओं, निगरानी व्यवस्था और संकट प्रबंधन तंत्र में संभावित कमियां सामने आती हैं।

आयोग ने स्पष्ट किया कि शैक्षणिक संस्थानों की जिम्मेदारी केवल पढ़ाई तक सीमित नहीं है, बल्कि छात्रों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य की सुरक्षा भी उनकी जिम्मेदारी है। इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति प्रथम दृष्टया इन जिम्मेदारियों को निभाने में विफलता को दर्शाती है।

डेटा हब और संचार नेटवर्क को तबाह करने की साजिश

ईरान का खतरनाक प्लान, समंदर में बिछी इंटरनेट केबल काटने की धमकी से भारत पर मंडराया बड़ा खतरा

- **भारत के करोड़ों यूजर्स और आईटी सेक्टर के लिए खतरे की घंटी**

पंचकूला ऑब्जर्वर

नई दिल्ली. मिडिल ईस्ट में सुलग रही जंग की आग अब समंदर की गहराइयों तक पहुंच गई है। ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (ढ्ढक्रत्नष्ट) से जुड़ी समाचार एजेंसी तसनीम की एक हालिया रिपोर्ट ने पूरी दुनिया में खलबली मचा दी है। इस रिपोर्ट में फारस की खाड़ी के नीचे बिछे इंटरनेट केबलों और महत्वपूर्ण क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर की पूरी मैपिंग की गई है। रक्षा और तकनीकी विशेषज्ञों ने इसे खाड़ी देशों सहित वैश्विक डिजिटल कनेक्टिविटी के लिए एक बेहद गंभीर चेतावनी माना है। इस रिपोर्ट में होर्मुज स्ट्रेट को केवल तेल और गैस के लिए ही नहीं, बल्कि यूएई, कतर, बहरीन और सऊदी अरब जैसे देशों को जोड़ने वाले संचार नेटवर्क के लिए एक अहम 'चोकपॉइंट' बताया गया है। ईरान की तरफ से यह साफ संकेत दिया गया है कि युद्ध की स्थिति में इन अंडरसी डेटा केबलों और लैंडिंग स्टेशनों को दबाव बनाने के लिए आसानी से काटा या तबाह किया जा सकता है। यह खतरा इसलिए भी ज्यादा खौफनाक हो जाता है क्योंकि हाल ही में ईरानी ड्रोन हमलों ने यूएई और बहरीन में अमेजन वेब सर्विसेज (ड्डङ्ख्रस्) के डेटा सेंटर्स को भी निशाना बनाया था, जिसने इस पूरे क्षेत्र में डिजिटल बुनियादी ढांचे की सुरक्षा की पोल खोलकर रख दी है। समंदर के नीचे से रची जा रही ईरान की इस साजिश का सीधा और भयानक असर भारत पर भी पड़ सकता है। दुनिया भर को जोड़ने वाला यह अंडरसी केबल नेटवर्क ओमान, यूएई और पाकिस्तान जैसे कई संवेदनशील इलाकों में बने लैंडिंग स्टेशनों से होकर गुजरता है। भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था काफी हद तक इन्हीं कनेक्शनों पर टिकी हुई है।

अगर ईरान किसी भी तरह से इन केबलों को काटता है या नुकसान पहुंचाता है, तो भारत में इंटरनेट की स्पीड धड़ाम से गिर सकती है। इससे न सिर्फ करोड़ों आम यूजर्स प्रभावित होंगे, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ माने जाने वाले आईटी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित सेक्टर को भी भारी आर्थिक नुकसान झेलना पड़ेगा।

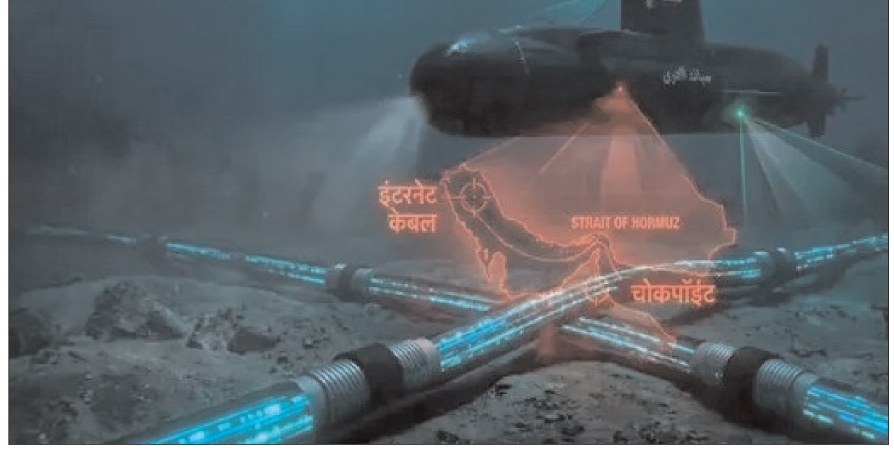

बीकाजी के संस्थापक शिवरतन अग्रवाल का निधन

चेन्नई. देश की जानी-मानी नमकीन और स्नैक्स कंपनी बीकाजी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक शिवरतन अग्रवाल का आज सुबह चेन्नई में निधन हो गया। 74 वर्षीय अग्रवाल अपनी पत्नी के इलाज के सिलसिले में चेन्नई गए हुए थे, जहां अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई और उन्होंने एक निजी अस्पताल में अंतिम सांस ली। इस दुखद खबर से कॉरपोरेट और उद्योग जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, शिवरतन अग्रवाल की पत्नी की हाल ही में चेन्नई में हार्ट बाईपास सर्जरी हुई थी। डॉक्टरों ने सर्जरी के बाद उन्हें कुछ समय आराम करने की सलाह दी थी। इसी वजह से शिवरतन अग्रवाल और उनका परिवार चेन्नई के ही एक होटल में ठहरा हुआ था। गुरुवार सुबह करीब 7:30 बजे अचानक शिवरतन अग्रवाल की तबीयत बिगड़ने लगी, जिसके बाद परिवार वाले उन्हें तुरंत एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन वहां इलाज के दौरान उनका निधन हो गया। शिवरतन अग्रवाल ने साल 1993 में राजस्थान के बीकानेर से अपने इस कारोबारी सफर की शुरुआत की थी।

एक नजर

पंजाब में पावर कट पर सियासत तेज, सुनील जाखड़ बोलें- अंधेर नगरी, चौपट राजा

चंडीगढ़। पंजाब में गर्मी लगातार बढ़ रही है और इसके साथ ही बिजली की मांग भी तेजी से बढ़कर करीब 10,500 मेगावाट तक पहुंच गई है। ऐसे में लोगों को राहत मिलने के बजाय परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि पीएसपीसीएल की तरफ से 8 से 10 घंटे तक बिजली शटडाउन करने की घोषणा की गई है। इससे आम जनता से लेकर व्यापारी और उद्योग तक सभी प्रभावित हो रहे हैं। इस मुद्दे को लेकर राज्य भाजपा प्रमुख सुनील जाखड़ ने मान सरकार पर जोरदार हमला बोला है। भाजपा नेता सुनील जाखड़ ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करते हुए भगवंत मान सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। जाखड़ ने लिखा, अंधेर नगरी, चौपट राजा! अब जब गर्मी का मौसम आ गया है, तो पावर इंफ्रास्ट्रक्चर के मेंटेनेंस के नाम पर पूरे पंजाब में बिजली बंद कर दी गई है। क्या यह काम फरवरी या मार्च में नहीं हो सकता था? उन्होंने कहा, जब पावर कॉर्पोरेशन का कोई रेगुलर चेयरमैन ही नहीं है, तो ये फैसले कौन ले रहा है? सोलर पावर होने के बावजूद, जब दिन में बिजली सस्ती होती है, लोगों को बिजली नहीं मिल रही है। आम जिंदगी से लेकर बिजनेस और इंडस्ट्री तक, आम आदमी पार्टी की सरकार में हर कोई इन पावर कट से परेशान है। मुख्यमंत्री विदेश दौरे पर हैं। क्या यही आपकी पार्टी का गवर्नेंस मॉडल है, भगवंत सिंह मान जी? गौरतलब है कि पंजाब राज्य बिजली बोर्ड (पीएसपीसीएल) ने 26 अप्रैल तक राज्य के कई बड़े शहरों में लंबा बिजली शटडाउन करने का फैसला लिया है। लुधियाना, जालंधर, अमृतसर, बठिंडा, मोहाली और पटियाला जैसे शहरों में रोजाना करीब 8 से 10 घंटे तक बिजली बंद रहेगी। पीएसपीसीएल का कहना है कि यह कटौती किसी कमी की वजह से नहीं, बल्कि बिजली सप्लाई सिस्टम को अपग्रेड करने के लिए की जा रही है। आने वाले समय में बेहतर और सुचारू बिजली देने के लिए अभी काम किया जा रहा है। लेकिन इस बढ़ती गर्मी में आम लोगों के लिए यह फैसला मुश्किल बन गया है।

पंजाब में बेअदबी विरोधी कानून लागू करने के लिए स्पीकर संधवां का विशेष सम्मान

चंडीगढ़. गुरुद्वारा साहिब पातशाही दसवीं, कोटकपूरा में निहंग सिंहों के मुख्य सेवादार बाबा कुलवंत सिंह चाणकीया द्वारा पंजाब विधानसभा के स्पीकर स कुलतार सिंह संधवां को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री स भगवंत सिंह मान और स्पीकर स कुलतार सिंह संधवां के ईमानदार और दृढ़ प्रयासों के कारण जगत ज्योत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) विधेयक 2026 लागू हुआ है, जिससे विश्व भर की संगत में खुशी की लहर है। कार्यक्रम के दौरान सुखमनी साहिब का पाठ, नितनेम बाणियां, अरदास और पावन हुक्मनामा के उपरांत बाबा कुलवंत सिंह चाणक्य ने कहा कि स्पीकर संधवां की विनम्रता और प्रभावशाली व्यक्तित्व ने सभी को प्रभावित किया है। स्पीकर स कुलतार सिंह संधवां ने बाबा कुलवंत सिंह चाणकीया सहित समूची संगत का धन्यवाद करते हुए कहा कि यह उपलब्धि संगत के सहयोग और गुरु जी के आशीर्वाद से ही संभव हो पाई है। उन्होंने कहा कि पूर्व में विभिन्न पारंपरिक पार्टियों और संगठनों के नेता सत्ता में होने के बावजूद भी इस कार्य को लागू नहीं कर सके, जबकि अब कुछ लोग बेबुनियाद बयान देकर समाज में भ्रम फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। स्पीकर ने कहा कि इस सख्त कानून के लागू होने से अब कोई भी व्यक्ति ऐसे घिनौने अपराध करने से बचेगा। इस अवसर पर शहर के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंची संगत ने इस सराहनीय कदम के लिए पंजाब सरकार, मुख्यमंत्री स भगवंत सिंह मान और स्पीकर स कुलतार सिंह संधवां का आभार व्यक्त किया।

एनडीपीएस मामलों में 40 प्रतिशत वृद्धि, जब्तियों में बड़ा उछाल

चंडीगढ़. पंजाब में मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में चलाए जा रहे 'युद्ध नशों विरुद्ध' अभियान के प्रभावी, तेज और ठोस परिणाम सामने आ रहे हैं। ताजा आंकड़े दर्शाते हैं कि नशों के खिलाफ कार्रवाई में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, नशा तस्करी नेटवर्क को बड़े स्तर पर कमजोर किया गया है और दोषियों के खिलाफ सजा दर में भी महत्वपूर्ण सुधार दर्ज किया गया है। आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2022 से 2026 (अब तक) के दौरान 73,541 एनडीपीएस मामले दर्ज किए गए हैं, जो 2017-2021 के 52,255 मामलों की तुलना में 40 प्रतिशत से अधिक वृद्धि दर्शाते हैं। गिरफ्तारियों की संख्या भी 68,064 से बढ़कर 98,596 हो गई है, जो राज्यभर में नशा तस्करी नेटवर्क के खिलाफ लगातार और व्यापक कार्रवाई को दर्शाती है। जब्तियों के आंकड़े इस अभियान की सफलता को और स्पष्ट करते हैं। हेरोइन की बरामदगी में 148त्न का बड़ा उछाल दर्ज किया गया है—2022 से अब तक 5,979 किलोग्राम हेरोइन जब्त की गई, जबकि 2017ङ्क21 के दौरान यह मात्रा 2,412 किलोग्राम थी। अफीम की जब्ती में भी 43त्न से अधिक वृद्धि होकर यह 3,583 किलोग्राम तक पहुंच गई है, जो जमीनी स्तर पर तेज कार्रवाई को दर्शाती है। सिंथेटिक ड्रग्स के खिलाफ कार्रवाई में विशेष रूप से उल्लेखनीय बढ़ोतरी देखी गई है। 'आइस' (क्रिस्टल मेथामफेटामाइन) की जब्ती 17 किलोग्राम से बढ़कर 93 किलोग्राम हो गई है, जो 447त्न की वृद्धि है। कोकीन की जब्ती 6,064 किलोग्राम रही, जो पहले के 6,852 किलोग्राम के लगभग बराबर है। इस अभियान की पहुंच अब दवाइयों के दुरुपयोग तक भी बढ़ चुकी है। 2022-26 के दौरान 8.7 करोड़ गोलियां और कैप्सूल जब्त किए गए हैं, जो खासकर युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति को रोकने के लिए सप्लाई चेन पर बड़े प्रहार का संकेत है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इस कार्रवाई के सकारात्मक परिणाम न्याय प्रणाली में भी दिखाई दे रहे हैं। दोषियों के लिए सजा दर बढ़कर 89त्न तक पहुंच गई है, जो मजबूत जांच, साक्ष्य संग्रह और प्रभावी अभियोजन को दर्शाती है। डीजीपी पंजाब गौरव यादव ने कहा, 'यह केवल कार्रवाई में वृद्धि नहीं, बल्कि नशे के खतरे से निपटने के तरीके में एक मूलभूत बदलाव है। मामलों और जब्तियों में वृद्धि इंटेलिजेंस आधारित कार्रवाई को दर्शाती है, जबकि बढ़ती सजा दर यह दिखाती है कि मामलों को उनके तार्किक निष्कर्ष तक पहुंचाया जा रहा है। सप्लायर से लेकर डिस्ट्रीब्यूटर तक पूरी श्रृंखला पर लगातार दबाव बनाया गया है।'

फ्लाइंग स्कॉड और तकनीक आधारित निगरानी के दिए निर्देश

चंडीगढ़. पंजाब के जल संसाधन, भूमि एवं जल संरक्षण तथा खनन एवं भू-विज्ञान मंत्री बरिंदर कुमार गोयल ने विभिन्न विभागों की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक के दौरान सिंचाई परियोजनाओं में तेजी लाने और बाढ़ रोकथाम कार्यों को समय पर पूरा करने के सख्त निर्देश दिए। खनन विभाग की समीक्षा करते हुए मंत्री ने अवैध खनन पर रोक लगाने के लिए फ्लाइंग स्क्वॉड गठित करने और आधुनिक तकनीक आधारित निगरानी प्रणाली लागू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक वैध खनन साइटों को चालू किया जाए, ताकि रेत-बजरी की आपूर्ति सुचारु रहे और पारदर्शिता सुनिश्चित हो सके। जल संसाधन विभाग को निर्देश देते हुए गोयल ने कहा कि सभी बाढ़ रोकथाम कार्य 30 जून से पहले हर हाल में पूरे किए जाएं, ताकि मानसून के दौरान किसी भी आपदा से बचा जा सके। उन्होंने नहरी सिंचाई के दायरे को मौजूदा 78 प्रतिशत से बढ़ाने पर जोर दिया।

सीएम मान का फिनलैंड दौरा, ट्रेन-द-ट्रेनर मॉडल से 300 शिक्षक प्रशिक्षित, शिक्षा क्रांति को मिलेगी नई रफ्तार

- फिनलैंड के तुर्कू स्थित अर्ली चाइल्डहुड एजुकेशन सेंटर का दौरा
- रट्टा प्रणाली से हटकर इंटरैक्टिव और छात्र-केंद्रित शिक्षा पर जोर
- 'ट्रेन-द-ट्रेनर' मॉडल से 300 शिक्षकों का प्रशिक्षण

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़। पंजाब सरकार और फिनलैंड की टुर्कू यूनिवर्सिटी के बीच स्थापित शैक्षणिक सहयोग ने राज्य के स्कूलों में सकारात्मक बदलाव की नई शुरुआत कर दी है। मुख्यमंत्री ने अपने फिनलैंड दौरे के दौरान टुर्कू स्थित कुकुलो-मोइकोइनेन अर्ली चाइल्डहुड एजुकेशन एंड केयर सेंटर का दौरा किया और वहां अपनाई जा रही शिक्षण पद्धतियों का जायजा लिया। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि इस साझेदारी के जरिए वैश्विक शिक्षण तकनीकों को पंजाब के क्लासरूम तक सफलतापूर्वक पहुंचाया जा रहा है, जिससे शिक्षा प्रणाली अधिक प्रभावी, आधुनिक और छात्र-केंद्रित बन रही है। उन्होंने बताया कि यह पहल 'शिक्षा क्रांति' को नई दिशा देने के साथ-साथ विद्यार्थियों की सहभागिता बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। सीएम मान ने कहा कि फिनलैंड के साथ सहयोग के रचनात्मक परिणाम अब पंजाब के स्कूलों में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं। पारंपरिक रट्टा आधारित शिक्षा प्रणाली से हटकर अब बच्चों को अधिक आनंदमय, सहभागितापूर्ण और व्यावहारिक तरीके से पढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है, जिससे सीखने का माहौल अधिक रोचक और प्रभावी बन रहा है।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने बताया कि इस पहल के तहत 'ट्रेन-द-ट्रेनर' मॉडल अपनाया गया है, जिसके माध्यम से लगभग 300 शिक्षकों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम पंजाब के स्कूल शिक्षा विभाग और स्टेट काउंसिल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग (एससीईआरटी) के सहयोग से संचालित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह कोई अल्पकालिक प्रयास नहीं, बल्कि दीर्घकालिक संस्थागत सुधार की दिशा में उठाया गया कदम है, जिसका उद्देश्य प्रारंभिक और बुनियादी शिक्षा को मजबूत करना है। उन्होंने आगे कहा कि प्रशिक्षण सत्र चंडीगढ़ के साथ-साथ फिनलैंड के टुर्कू और राउमा शहरों में भी आयोजित किए गए हैं। इन सत्रों के दौरान शिक्षकों को कार्यशालाओं, स्कूल विजिट और विशेषज्ञों के मार्गदर्शन के जरिए आधुनिक शिक्षण तकनीकों से अवगत कराया जा रहा है। मई 2026 तक चार चरणों में लगभग 300 शिक्षक इस प्रशिक्षण को पूरा कर लेंगे, जिससे राज्य भर के लाखों विद्यार्थियों को लाभ मिलने की उम्मीद है।

मुख्यमंत्री ने जोर देते हुए कहा कि शिक्षा को अधिक रोचक और जीवंत बनाने के लिए शिक्षकों को नए-नए प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अब शिक्षकों में आत्मविश्वास बढ़ा है और वे विद्यार्थियों की अलग-अलग जरूरतों के अनुसार पाठ्यक्रम को ढालने में सक्षम हो रहे हैं। इस पहल की खास बात यह है कि विदेशी मॉडल को सीधे लागू करने के बजाय उसे स्थानीय सामाजिक और सांस्कृतिक संदर्भों के अनुरूप ढाला जा रहा है। उन्होंने बताया कि सरकार इस कार्यक्रम को और व्यापक बनाने के लिए %मास्टर ट्रेनर्स% तैयार करने की दिशा में काम कर रही है, ताकि राज्य के हर कोने तक इन नई शिक्षण पद्धतियों को पहुंचाया जा सके। इसके साथ ही डिजिटल प्लेटफॉर्म और मिश्रित प्रशिक्षण मॉडल भी विकसित किए जा रहे हैं, जिससे शिक्षकों का निरंतर पेशेवर विकास सुनिश्चित हो सके।

मान ने कहा कि यह सहयोग पंजाब के शिक्षा सुधारों की मजबूत नींव साबित होगा। उन्होंने विश्वास जताया कि इस तरह की पहलों से राज्य के विद्यार्थी भविष्य की चुनौतियों के लिए बेहतर तरीके से तैयार होंगे, और पंजाब शिक्षा के क्षेत्र में एक नई मिसाल कायम करेगा।

स्वास्थ्य विभाग को आशा वर्करों व फैसिलिटेटरों के मानदेय बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार तक पहुंचे: चीमा

चंडीगढ़. पंजाब में जमीनी स्तर पर काम कर रहे जरूरी स्वास्थ्य कर्मियों की भलाई के लिए एक अहम कदम उठाते हुए, कर्मचारियों के मुद्दों को हल करने के लिए गठित कैबिनेट सब-कमेटी के चेयरमैन और वित्त मंत्री पंजाब हरपाल सिंह चीमा ने आज यहां स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग को निर्देश दिए कि वह आशा वर्करों और फैसिलिटेटरों को दिए जाने वाले मानदेय (इंसेंटिव) में जरूरी बढ़ोतरी की वकालत करते हुए केंद्र सरकार को आधिकारिक तौर पर पत्र लिखे। वित्त मंत्री ने जोर देकर कहा कि केंद्र सरकार से मौजूदा योजना के तहत इन भुगतानों को बढ़ाने की अपील की जानी चाहिए, जो केंद्र और राज्य के बीच 60.40 के वित्तीय अनुपात पर काम करती है।

आशा वर्कर्स एंड फैसिलिटेटर्स सांझा मोर्चा, पावरकॉम एंड ट्रांसको ठेका मुलाजिम यूनियन और पंजाब पुलिस कोरोना वॉरियर्स सहित विभिन्न कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधिमंडलों के साथ बैठकों की अध्यक्षता करते हुए वित्त मंत्री चीमा ने पंजाब स्टेट पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (पीएसपीसीएल) और पंजाब स्टेट ट्रांसमिशन कॉरपोरेशन लिमिटेड (पीएसटीसीएल) को भी निर्देश दिए कि पावरकॉम एंड ट्रांसको ठेका मुलाजिम यूनियन की मांगों के समाधान के लिए एक ठोस नीति बनाई जाए। आशा वर्कर्स एंड फैसिलिटेटर्स सांझा मोर्चा की मांगों पर विस्तार से चर्चा करते हुए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने इन वर्करों की तत्काल सामाजिक सुरक्षा को प्राथमिकता दी।

उन्होंने निर्देश जारी करते हुए कहा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग को हिदायत दी गई है कि वह सभी आशा वर्करों और फैसिलिटेटरों के लिए जीवन बीमा कवरेज सुनिश्चित करने हेतु किसी बैंकिंग संस्था के साथ समझौता करे।

उन्होंने आगे कहा, यूनियन द्वारा उठाई गई जायज मांगें, जिन्हें सीधे विभागीय स्तर पर हल किया जा सकता है, उन्हें प्रशासनिक बैठकों और निर्णायक कार्रवाई के जरिए बिना किसी देरी के तुरंत हल किया जाना चाहिए। राज्य के बिजली क्षेत्र के कर्मियों की चिंताओं को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने पावरकॉम एंड ट्रांसको ठेका मुलाजिम यूनियन के साथ विस्तृत बैठक की। उन्होंने उन्हें पेश आ रही कार्य संबंधी मुश्किलों और आउटसोर्सड रोजगार से सेवाएँ कांट्रैक्ट में बदलाव की उनकी मांग पर सहानुभूतिपूर्वक विचार किया। इन बैठकों के दौरान आशा वर्कर्स एंड फैसिलिटेटर्स सांझा मोर्चा की ओर से अमरजीत कौर, राणो, हरिंदर कौर शतराना और संतोष कुमार, पावरकॉम एंड ट्रांसको ठेका मुलाजिम यूनियन की ओर से बलिहार सिंह, टेक चंद और शेर सिंह तथा पंजाब पुलिस कोरोना वॉरियर्स की ओर से गुरबाज सिंह, पवनबीर सिंह और गुरविंदर सिंह ने अपने मुद्दे और मांगें पेश कीं।

आश्रित बच्चों के लिए 35.50 करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता जारी; 2.36 लाख से अधिक बच्चों को लाभ: डॉ. बलजीत कौर

चंडीगढ़. सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने कहा कि पंजाब सरकार द्वारा आश्रित और जरूरतमंद बच्चों के कल्याण तथा सर्वांगीण विकास को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है। इसी क्रम में वित्तीय वर्ष 2026-27 के दौरान मार्च माह के लिए पंजाब सरकार ने 35.50 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता जारी की है, जिससे राज्य भर के 2.36 लाख से अधिक जरूरतमंद बच्चों को इस योजना का सीधा लाभ मिला है।

उन्होंने बताया कि इस योजना को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 में 432.78 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया गया है, ताकि अधिक से अधिक आश्रित बच्चों को निरंतर वित्तीय सहायता दी जा सके। इस संबंध में आगे जानकारी देते हुए डॉ. बलजीत कौर ने कहा कि इस योजना से लाखों आश्रित बच्चों को लाभ मिल रहा है। इस वित्तीय सहायता का उद्देश्य बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और समग्र विकास सुनिश्चित करना है, ताकि कोई भी बच्चा आर्थिक तंगी के कारण अपने भविष्य से वंचित न रह जाए। मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार जन-हितैषी और मानवीय सोच वाली योजनाओं को लागू कर रही है। उन्होंने कहा कि आश्रित बच्चों को वित्तीय सहायता प्रदान करना केवल एक कल्याणकारी योजना नहीं, बल्कि उनके भविष्य को सुरक्षित बनाने की दिशा में एक संवेदनशील और महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने यह भी बताया कि इस योजना के अंतर्गत उन बच्चों को शामिल किया जाता है जिनकी आयु 21 वर्ष से कम है और जिनके माता-पिता का निधन हो चुका हो, या वे लापता हों, अथवा माता-पिता शारीरिक या मानसिक रूप से परिवार की देखभाल करने में सक्षम न हों। इस योजना के तहत दी जा रही वित्तीय सहायता से ऐसे बच्चों की पढ़ाई जारी रखने और उनके जीवन स्तर में सुधार करने में मदद मिलती है। डॉ. बलजीत कौर ने दोहराया कि पंजाब सरकार सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को और मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है तथा समाज के कमजोर वर्गों से जुड़े हर बच्चे की देखभाल, सुरक्षा और सर्वांगीण विकास सुनिश्चित किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार का उद्देश्य एक सुरक्षित, समावेशी और प्रगतिशील पंजाब का निर्माण करना है, जहां हर बच्चे को आगे बढ़ने और अपने भविष्य का निर्माण करने के समान अवसर मिल सकें।

मंडियों में सुविधाओं और खरीद व्यवस्थाओं का जायजा लेने पहुंचे डिप्टी स्पीकर रौड़ी

होशियारपुर/गढ़शंकर. पंजाब विधानसभा के डिप्टी स्पीकर और गढ़शंकर से विधायक स. जय कृष्ण सिंह रौड़ी ने आज अपने हल्के की विभिन्न अनाज मंडियों का दौरा कर वहां चल रही सुविधाओं और खरीद व्यवस्थाओं का विस्तृत जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने अनाज मंडी महिंगरोवाल, माहिलपुर और मोरांवाली का दौरा कर मौके की स्थिति का आकलन किया। उन्होंने मंडियों में मौजूद किसानों से बातचीत कर उन्हें आ रही समस्याओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। किसानों द्वारा उठाए गए मुद्दों को गंभीरता से लेते हुए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को तुरंत समाधान करने के निर्देश दिए।

डिप्टी स्पीकर ने स्पष्ट किया कि किसानों को अपनी फसल बेचने के दौरान किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होने दी जाएगी और इसके लिए मंडियों में सुचारु व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि फसल की तौल, लिफ्टिंग और भुगतान की प्रक्रिया पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से पूरी की जाए। साथ ही मंडियों में सफाई, पेयजल, बिजली और अन्य बुनियादी सुविधाओं को सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया। स.रौड़ी ने कहा कि पंजाब सरकार किसानों के कल्याण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और मंडियों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने बताया कि फसल की समय पर खरीद और भुगतान सुनिश्चित करने के लिए पूरे प्रबंध किए गए हैं, ताकि किसानों को किसी भी तरह की समस्या का सामना न करना पड़े।

कांग्रेस सांसद राजीव शुक्ला पहुंचे नारी निकेतन

जालंधर. वरिष्ठ कांग्रेस नेता और सांसद राजीव शुक्ला ने आज विशेष रूप से नारी निकेतन जालंधर का दौरा किया। यह उनका दूसरा दौरा था और इस दौरान उन्होंने नारी निकेतन के बच्चों से मुलाकात की और उनसे बातचीत की; साथ ही उन्होंने बच्चों, विशेष रूप से लड़कियों की बेहतरी और कल्याण के लिए प्रबंधन द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना भी की। इससे पहले, नारी निकेतन पहुंचने पर, श्री राजीव शुक्ला का नारी निकेतन ट्रस्ट की महासचिव श्रीमती गुरजोत कौर और ट्रस्टी श्रीमती सीमा चोपड़ा ने गर्मजोशी से स्वागत किया। इस अवसर पर उनके साथ जमील दुबई भी मौजूद थे। इस मौके पर, श्री राजीव शुक्ला ने नारी निकेतन के बच्चों के साथ काफी समय बिताया और उनके जीवन के बारे में जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर, भावुक होते हुए उन्होंने बच्चों को जीवन की कठिनाइयों से सबक सीखने और आगे बढने् के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि सफलता का कोई शॉर्ट कट (छोटा रास्ता) नहीं होता और लक्ष्य केवल कड़ी मेहनत से ही प्राप्त किया जा सकता है। इस अवसर पर, राजीव शुक्ला जो भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के उपाध्यक्ष भी हैं ने अनाथ और बेसहारा बच्चों के पालन-पोषण में नारी निकेतन ट्रस्ट द्वारा दिए जा रहे योगदान की अत्यधिक सराहना की।

900 ग्राम आईसीई और 5 पिस्तौल समेत तीन आरोपी अमृतसर से काबू

अमृतसर. मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के दिशा-निर्देशों के तहत पंजाब को सुरक्षित राज्य बनाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के दौरान एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने तीन आरोपियों को 915 ग्राम आईसीई (मेथामफेटामाइन) और पांच आधुनिक पिस्तौलों सहित गिरफ्तार कर सीमा पार से नशे और हथियारों की तस्करी करने वाले मॉड्यूल का पर्दाफाश किया है। यह जानकारी यहां पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने दी। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सुखविंदर सिंह उर्फ सुख्खा (21), सोला सिंह उर्फ सोनू (29) और करन सिंह (22) के रूप में हुई है, जो सभी फिरोजपुर के गांव साहांके के निवासी हैं। बरामद पिस्तौलों में दो 9 एमएम ग्लॉक और तीन .30 बोर पिस्तौल तथा दो जिंदा कारतूस शामिल हैं। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से पाकिस्तान स्थित तस्करों के संपर्क में थे और सीमा पार से ड्रोन के जरिए भेजी जा रही नशे और हथियारों की खेप प्राप्त कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आरोपी नशे और अवैध हथियारों की सप्लाई के लिए स्थानीय हैंडलर के रूप में काम कर रहे थे। डीजीपी ने कहा कि पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश करने के लिए मामले में आगे-पीछे के सभी संबंधों की जांच जारी है। कार्रवाई का विवरण साझा करते हुए पुलिस कमिश्नर (सीपी) अमृतसर गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर चलाए गए लक्षित ऑपरेशन में पुलिस टीमों ने संदिग्ध सुखविंदर सिंह उर्फ सुख्खा, सोला सिंह उर्फ सोनू और करन सिंह को गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि ऑपरेशन के दौरान पहले केवल एक .30 बोर पिस्तौल बरामद हुआ था और आरोपियों से पूछताछ के दौरान हुए खुलासों के आधार पर उनके पास से 915 ग्राम आईसीई और चार अन्य पिस्तौल बरामद किए गए। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि जांच में यह भी सामने आया है कि फिरोजपुर सेक्टर के घने जंगलों में नशे और हथियारों की खेप फेंकी जा रही थी। आरोपी ऐसे स्थानों से इन खेपों को प्राप्त कर विभिन्न क्षेत्रों में इसकी सप्लाई करते थे। इस संबंध में थाना गेट हकीमा, अमृतसर में एनडीपीएस एक्ट की धारा 22-सी और आर्म्स एक्ट की धारा 25 (6, 7(iii) और 8) के तहत एफआईआर नंबर 105 दिनांक 15-04-2026 को दर्ज की गई है।

पंजाब श्रम कल्याण बोर्ड ने 7831 औद्योगिक श्रमिकों को 17.11 करोड़ रुपये के लाभ दिए : सौंद

- अधिकारियों को औद्योगिक श्रमिकों के लिए कल्याण योजनाओं संबंधी जागरूकता अभियान में तेजी लाने के निर्देश

पंचकूला ऑब्जर्वर

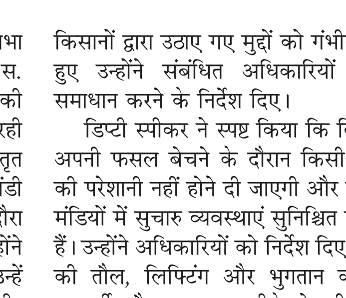

एसएएस नगर. राज्य में औद्योगिक श्रमिकों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने और उनकी भलाई के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए पंजाब श्रम कल्याण बोर्ड ने पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान विभिन्न कल्याण योजनाओं के तहत 7831 लाभार्थियों को 17.11 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की। बोर्ड की चल रही गतिविधियों और प्रगति की समीक्षा के लिए आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए पंजाब के श्रम मंत्री श्री तरुनप्रीत सिंह सौंद ने इन प्रयासों को और मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को जागरूकता अभियानों में तेजी लाने के निर्देश दिए ताकि अधिक से अधिक पात्र श्रमिक इन कल्याण योजनाओं का लाभ उठा सकें। मंत्री ने कहा कि जागरूकता की कमी अक्सर श्रमिकों को उनके लिए उपलब्ध कल्याण योजनाओं का लाभ लेने में बाधा बनती है।

योजनाओं के दायरे के बारे में जानकारी देते हुए मंत्री ने कहा कि पंजाब श्रम कल्याण फंड अधिनियम, 1965 के तहत आने वाले संस्थानों में कार्यरत औद्योगिक श्रमिक बोर्ड द्वारा दिए जाने वाले लाभ प्राप्त करने के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि ये पहल स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक सुरक्षा सहित जीवन के विभिन्न पहलुओं में श्रमिकों और उनके परिवारों की सहायता के लिए चलायी गई हैं। बोर्ड द्वारा चलाई जा रही योजनाओं में चिकित्सा उपचार और सामान्य सर्जरी के लिए वित्तीय सहायता, एक्स-ग्रेशिया अनुदान, अंतिम संस्कार खर्च, एलटीसी, मातृत्व लाभ तथा मानसिक या शारीरिक दिव्यांगता वाले श्रमिकों के लिए सहायता शामिल है। इसके अलावा श्रमिक अन्य योजनाओं का लाभ भी ले सकते हैं, जिनमें शगुन योजना, चश्मा लगवाने संबंधी सहायता, दंत चिकित्सा देखभाल, श्रवण यंत्रों के लिए सहायता, तथा शिक्षा और दिव्यांगता मुआवजे हेतु छात्रवृत्ति योजनाएं शामिल हैं। मंत्री ने सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि प्रत्येक पात्र श्रमिक तक कल्याण योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित की जाए ताकि उनके जीवन स्तर में सुधार हो और जरूरत के समय सुरक्षा प्रदान की जा सके। उन्होंने अधिकारियों से जागरूकता शिविर और सरल आवेदन प्रक्रियाओं सहित सक्रिय उपाय अपनाने की अपील की ताकि इन योजनाओं के दायरे और प्रभाव को और बढ़ाया जा सके।

पंजाब सरकार अपने विकास एजेंडे के एक अहम हिस्से के रूप में श्रम कल्याण को प्राथमिकता दे रही है और यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि औद्योगिक श्रमिकों को आवश्यक सहायता और उनका उचित सम्मान मिल सके।

एक नजर

भारतीय विद्यार्थी मोर्चा ने राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन, उच्च स्तरीय जांच की उठाई मांग

भिवानी. एनआईटी कुरुक्षेत्र में पिछले कुछ समय से छात्रों द्वारा की जा रही आत्महत्या की घटनाओं ने अब राजनीतिक और सामाजिक रूप ले लिया है। भारतीय विद्यार्थी मोर्चा ने इस गंभीर मुद्दे पर हस्तक्षेप करते हुए राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। संगठन ने संस्थान में हो रही इन दुखद घटनाओं के लिए आंतरिक व्यवस्था की विफलता को जिम्मेदार ठहराया। इस मौके पर भारतीय विद्यार्थी मोर्चा के प्रदेश प्रभारी जगवीर दहिया बताया कि एनआईटी कुरुक्षेत्र में पिछले दो महीनों के भीतर चार से ज्यादा छात्र-छात्राओं ने आत्महत्या की है। इसके अलावा कई अन्य छात्रों द्वारा आत्महत्या के प्रयास किए जाने की भी सूचना है। उन्होंने आरोप लगाया कि इतनी गंभीर घटनाओं के बावजूद संस्थान प्रशासन ने इन्हें रोकने के लिए अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि एनआईटी कुरुक्षेत्र या कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के पास छात्रों की समस्याओं को सुनने और उन्हें हल करने का कोई प्रभावी तंत्र मौजूद नहीं है। इसके साथ ही उन्होंने हरियाणा के विभिन्न कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में परीक्षा परिणामों में देरी, अंकों में विसंगति, भेदभाव और टिप्पणी, हॉस्टल की बदहाली, नशे का प्रसार आदि समस्याएं भी उठाई। उन्होंनेू मांग की कि प्रत्येक कॉलेज और विश्वविद्यालय में मनोचिकित्सकों की अनिवार्य भर्ती की जाए, ताकि छात्रों की समय-समय पर काउंसलिंग हो सके। परीक्षा परिणामों और पुनर्मूल्यांकन के लिए एक निश्चित समय सीमा तय हो। प्रैक्टिकल और इंटरनल अंकों में धांधली की विजिलेंस जांच करवाई जाए। हॉस्टल में भोजन की गुणवत्ता जांचने के लिए जिला उपायुक्त की अध्यक्षता में छात्रों की एक कमेटी बने। उन्होंने कहा है कि आज के छात्र देश का भविष्य हैं। अगर युवाओं में इस कदर निराशा होगी कि वे अपने जीवन को दांव पर लगा दें, तो स्वस्थ समाज का निर्माण संभव नहीं है। इस अवसर पर विनोद सांगा, अनिल नाथुवास, रमेश दहिया सहित अन्य मौजूद रहे।

सावित्री मक्खनलाल जनकल्याण ट्रस्ट के चुनाव के लिये आम सभा 3 मई को

हिसार. सावित्री मक्खनलाल जनकल्याण ट्रस्ट की महत्वपूर्ण आम सभा 3 मई को माता सावित्री शक्तिधाम, रिसालूखेड़ा (अग्रोहा) जिला हिसार में आयोजित की जाएगी। इस सभा का मुख्य उद्देश्य ट्रस्ट की नई कार्यकारिणी का गठन करना तथा सभी सदस्यों एवं समाज के बन्धुओं के सुझाव लेकर आपसी सहमति से निर्णय लेना है। यह जानकारी देते हुए ट्रस्ट के संरक्षक वेद प्रकाश सोनी एवं आम राय बनाने हेतु गठित कमेटी के सदस्य एडवोकेट नरेश सोनी तूणगर व कार्यकारिणी के पूर्व प्रधान महेन्द्र सोनी छपरवाल ने बताया कि 3 मई को आयोजित होने वाली आम सभा में सभी उपस्थित जनों के विचार एवं सुझावों को महत्व देते हुए नई कार्यकारिणी का गठन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट का प्रयास है कि यह गठन आपसी सहमति से हो ताकि किसी भी प्रकार के वाद-विवाद अथवा मतदान की स्थिति से बचा जा सके और संगठन में एकता एवं सौहार्द बना रहे। ट्रस्ट के संरक्षक वेद प्रकाश सोनी ने ट्रस्ट के सभी सदस्यों, माता के भक्तों एवं समाज के सम्मानित बन्धुओं से विनम्र अनुरोध किया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर अपने बहुमूल्य सुझाव दें तथा इस महत्वपूर्ण प्रक्रिया का हिस्सा बनें।

दिव्यांग केंद्र में निशुल्क नेत्र ऑपरेशन शिविर आयोजित, 20 को मिली नेत्र ज्योति

हिसार. भाविप हरियाणा भारत विकास फाउंडेशन दिव्यांग पुनर्वास केंद्र में सप्ताह में हर मंगलवार व शुक्रवार को फ्री नेत्र ऑपरेशन सुविधा शुरू हो गई है। इसके तहत मंगलवार को आंखों के सफेद मोतियाबिंद से पीड़ित 20 बुजुर्गों की आंखों के ऑपरेशन निशुल्क किए गए। इतना ही नहीं यथासंभव दवाइयां भी निशुल्क उपलब्ध करवाई गई। यह शिविर गुरुग्राम के सरस्वती बिल्डर स्वामी समाजसेवी सुरेश गोयल बड़ोपलिया व बड़ोपलिया परिवार के सहयोग से आयोजित किया गया। इस शिविर के दौरान सुरेश गोयल, शिव गोयल व उनका परिवार एवं बड़ोपलिया परिवार के सदस्य विशेष रूप से उपस्थित रहे। दिव्यांग पुनर्वास केंद्र के अध्यक्ष डॉ. रोशनलाल गोयल, कार्यकारी अध्यक्ष सीए रामनिवास अग्रवाल व सचिव मांगेराम गुप्ता ने बताया कि अगला निशुल्क शिविर शुक्रवार 24 अप्रैल को लगाया जाएगा। उन्होंने बताया कि इन शिविरों का लाभ उठाने के लिए कोई भी जरूरतमंद इंसान बस स्टैंड के पीछे स्थित दिव्यांग केंद्र में किसी भी कार्यदिवस में निशुल्क पंजीकरण करवा सकता है। उन्होंने बताया कि मंगलवार व शुक्रवार को लगभग 20-20 मरीजों के नेत्र का ऑपरेशन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि दिव्यांग पुनर्वास केंद्र में नेत्र चिकित्सा सुविधा के साथ-साथ दंत चिकित्सा एवं फिजियोथेरेपी की सुविधा भी उपलब्ध है। यहां पर कृत्रिम अंग निर्माणशाला भी उपलब्ध है जिसमें कृत्रिम अंगों का निर्माण करके दिव्यांग बंधुओं को निशुल्क प्रदान किए जाते हैं। यहां पर मॉड्यूलर कृत्रिम अंग भी निर्मित जाते हैं। ये आधुनिक कृत्रिम अंग भी दिव्यांगजनों को निशुल्क उपलब्ध करवाए जाते हैं।

विश्वास सीनियर सेकेंडरी स्कूल में मनाया पृथ्वी दिवस, विभिन्न गतिविधियों का आयोजन

हिसार. अर्बन एस्टेट, स्थित विश्वास सीनियर सेकेंडरी स्कूल में पृथ्वी दिवस बड़े ही उत्साह, जोश और पर्यावरणीय जागरूकता के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार ने प्रकृति संरक्षण का संदेश देते हुए कई सार्थक आयोजन किए। प्रातःकालीन सभा कक्षा पहली से पाँचवीं तक के छात्र-छात्राओं के लिए विशेष प्रार्थना सभा के रूप में आयोजित की गई। नन्हे-मुन्ने बच्चों ने पृथ्वी संरक्षण पर ओजस्वी भाषण दिए, आकर्षक स्लोगन प्रस्तुत किए तथा 4 आर (रिड्यूस, रीयूज, रीसाइकिल, रिफ्यूज) साइकल के महत्व को रचनात्मक अंदाज में समझाकर सभी का मन मोह लिया। वहीं, कक्षा छठी से 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिए पोस्टर मेकिंग, स्लोगन लेखन, निबंध लेखन और पेंटिंग प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से छात्रों ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी गहरी समझ और सृजनात्मक सोच का बेहतरीन प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण पौधारोपण रहा जिसमें विद्यालय के चारों सदनों के स्वयंसेवी छात्रों ने प्रधानाचार्य महोदय तथा विज्ञान विषय की अध्यापिकाओं के साथ मिलकर विद्यालय परिसर में विभिन्न प्रकार के फलदार एवं छायादार पौधे लगाए। इस गतिविधि का उद्देश्य विद्यार्थियों में प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी और संवेदनशीलता का भाव विकसित करना था। इस अवसर पर प्रधानाचार्य महोदय ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि पृथ्वी दिवस केवल एक दिन नहीं, बल्कि यह हर दिन प्रकृति के संरक्षण की दिशा में हमारे प्रयासों की याद दिलाता है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को निरंतर पर्यावरणीय प्रयासों में सक्रिय भागीदारी देने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय परिवार ने यह संकल्प लिया कि वे पर्यावरण को सुरक्षित और संरक्षित रखने हेतु निरंतर प्रयासरत रहेंगे।

पृथ्वी हमारे जीवन का आधार, इसकी सुरक्षा करना हमारी जिम्मेदारी- प्रो. बलदेव राज कम्बोज

हरियाणा में उद्योगों का विस्तार करेगी सुजुकी, सीईओ तोशीहिरो सुजुकी ने की मुख्यमंत्री से मुलाकात

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़. हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से गुरुवार को नई दिल्ली स्थित हरियाणा भवन में सुजुकी मोटर के सीईओ तोशीहिरो सुजुकी ने मुलाकात की।

इस दौरान सीईओ तोशीहिरो सुजुकी ने मुख्यमंत्री से वायदा किया कि सुजुकी मोटर भविष्य में भी हरियाणा के अंदर और निवेश करेगी। उन्होंने कहा कि भारत की प्रोग्रेस के साथ-साथ हरियाणा की प्रोग्रेस में भी उनकी कंपनी पूरा सहयोग करेगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि जापान और हरियाणा के बीच सांस्कृतिक सहयोग के लिए जापान में अंतरराष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव आयोजित किया जाएगा। उन्होंने 20 जून को टोक्यो विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय गीता सेमिनार में विशिष्ट अतिथि के रूप में आने के लिए सुजुकी के सीईओ तोशीहिरो सुजुकी को न्यौता भी दिया। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा पहले भी सुजुकी मोटर को सहयोग करता रहा है। उन्हें पूरी उम्मीद है कि भविष्य में सुजुकी मोटर हरियाणा में ही निवेश करेगी। उन्होंने कहा कि सुजुकी मोटर इकलौती ऐसी कंपनी है जिसे हरियाणा राज्य ने एसजीएसटी इनसेंटिव दिया है। इस पर सीईओ तोशीहिरो सुजुकी ने कहा कि वह भारत में हाईब्रिड और सीएनजी गाड़ियों पर फोकस करेंगे। भविष्य में यदि उन्हें ईवी के लिए गाड़ियां बनानी पड़ी और नया प्लांट बनाया तो निश्चित रूप से निवेश के लिए उनकी पहल हरियाणा होगा। सुजुकी के साथ हरियाणा सरकार का कम्यूनिकेशन ऐसे ही बना रहे और हरियाणा सरकार का सहयोग मिलता रहे।

उन्होंने कहा कि 1982-83 में सुजुकी को शुरू किया था, तब हमने पाया कि भारत और जापान के काम करने का तरीका अलग है लेकिन फिर भी भारत और जापान में बहुत सारी समानता है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि जापान और हरियाणा के बीच सांस्कृतिक सहयोग बढ़ाने के लिए जून महीने में अंतरराष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव का आयोजन जापान में किया जाएगा। उन्होंने सुजुकी के सीईओ से अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव के दिव्य आयोजन में जापानी नागरिकों की व्यापक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए, कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड को जापान के किसी प्रतिष्ठित सामाजिक संगठन के साथ जोडने में सहयोग करने का आग्रह किया।

हरियाणा बनेगा आईटी-एवीजीसी और ईएसडीएम का ग्लोबल हब

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने उद्योगपतियों संग बनाई नई रणनीति

- नई इंडस्ट्रियल पॉलिसी में निवेश, रोजगार और इनोवेशन पर फोकस
- राव नरबीर सिंह ने ग्लोबल कंपनियों को आकर्षित करने का लक्ष्य बताया
- निर्यात बढ़ाने के लिए विदेशों में ग्लोबल वेयरहाउस बनाने का सुझाव

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़। हरियाणा की नायब सरकार राज्य को इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम डिज़ाइन एंड मैन्युफैक्चरिंग (ईएसडीएम), आईटी, एनिमेशन, विज़ुअल इफ़ेक्ट, गेमिंग सेक्टर का ग्लोबल हब बनाने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रही है। सरकार ऐसी इंडस्ट्रियल पॉलिसी तैयार कर रही है, जो इन उभरते क्षेत्रों में निवेशकों के लिए अत्यंत आकर्षक होने के साथ-साथ बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन, इनोवेशन और अत्याधुनिक तकनीकी विकास को भी गति देगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने वीरवार को नई दिल्ली में नई इंडस्ट्रीयल पॉलिसी के संबंध में उद्योगपतियों के साथ संवाद करते हुए कहा कि आईटी, एनिमेशन, विज़ुअल इफ़ेक्ट, गेमिंग, कॉमिक्स और ईएसडीएम सेक्टर देश की अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बनकर उभर रहा है। हरियाणा, अपनी बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर, मजबूत कनेक्टिविटी और इंडस्ट्री-फ्रेंडली माहौल के चलते इस सेक्टर में वैश्विक निवेश आकर्षित करने की अपार संभावनाएं रखता है। बैठक में उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह भी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य है कि हरियाणा को ग्लोबल कंपनियों का प्रमुख केंद्र बनाया जाए, जहां देश-विदेश की अग्रणी कंपनियां निवेश करें। नई इंडस्ट्रियल पॉलिसी में ईएसडीएम कंपनियों को विशेष प्रोत्साहन दिए जाएंगे। इसमें कैपिटल सब्सिडी, टैक्स बेनिफिट्स, स्किल डेवलपमेंट सपोर्ट, और ईज ऑफ डूइंग बिज़नेस जैसे प्रावधान शामिल किए जाएंगे, ताकि उद्योगों को स्थापित करने और विस्तार करने में किसी प्रकार की बाधा न आए।

प्रतिनिधियों ने सुझाव देते हुए कहा कि फ्यूचरिस्टिक प्रोडक्ट और कुछ कंपनियों का चयन करके उन्हें ग्लोबल कंपनी बनाने में मदद की जाए जिससे उस उद्योग से जुड़ी छोटी कंपनियों को भी फायदा मिलेगा। इसके अलावा, स्टार्टअपस के लिए रिसर्च एंड डेवलपमेंट पर भी विशेष फोकस किया जाए और रिसर्च के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किए जाएं। एक्सपोर्ट इंडस्ट्री के लिए विदेशों में प्रोडक्ट स्टोरेज की दिक्कतों के समाधान के लिए ग्लोबल वेयरहाउस स्थापित किए जाएं ताकि विभिन्न कंपनियां इन ग्लोबल वेयरहाउस में अपने प्रोडक्ट्स स्टोर कर सकें। बैठक के दौरान स्किल वर्कफ़ोर्स की उपलब्धता के लिए कई कंपनियों ने आईटीआई एडॉप्ट करने की रुचि व्यक्त की जिससे कंपनियों को उनकी जरूरत के अनुसार मैनपावर मिल सकेगी। माइक्रोसॉफ्ट से संदीप अरोड़ा ने युवाओं को भविष्य की उभरती तकनीकों के अनुरूप सक्षम बनाने के उद्देश्य से माइक्रोसॉफ्ट के साथ स्कूलों, आईटीआई और अन्य शिक्षण संस्थानों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित स्टडी को बढ़ावा देने पर चर्चा की। छात्रों को शुरुआती स्तर से ही एआई, मशीन लर्निंग और डेटा एनालिटिक्स जैसी आधुनिक स्किल्स से लैस किया जाएगा, ताकि वे वैश्विक प्रतिस्पर्धा में अपनी मजबूत भागीदारी सुनिश्चित कर सकें। साथ ही, राज्य सरकार द्वारा रिसर्च एंड डेवलपमेंट (ऋ×ष्ठ) गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए विशेष नीतिगत समर्थन और इंसेंटिव्स प्रदान किए जाएंगे, जिससे नवाचार को बढ़ावा मिलेगा। एनिमेशन, विज़ुअल इफ़ेक्ट, गेमिंग, कॉमिक्स (एवीजीसी-एक्सआर) सेक्टर को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य सरकार अलग से एक समर्पित सेक्टर पॉलिसी लाने की दिशा में काम कर रही है, जिससे इस उभरते हुए क्रिएटिव और टेक्नोलॉजी आधारित उद्योग को संरचित विकास का प्लेटफॉर्म मिल सके। इस दौरान चेयरमैन, फिक्की एवीजीसी-एक्सआर फोरम श्री आशीष कुलकर्णी, डायरेक्टर, पब्लिक पॉलिसी, ई गेमिंग फेडरेशन देवभूति बख्शी, सीईओ मीडिया एंड स्किल एंटरटेनमेंट काउंसिल मोहित सोनी ने सुझाव दिया कि ई-स्पोर्ट्स इकोसिस्टम को सशक्त बनाने पर विशेष ध्यान दिया जाए, ताकि युवाओं को नए अवसर मिलें और राज्य इस क्षेत्र में प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त हासिल कर सके। क्रिएटिव और परफॉर्मिंग स्किल्स के विकास के लिए इनक्यूबेटर्स और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस को बढ़ावा दिया जाना चाहिए, जिससे नवाचार, स्टार्टअप्स और टैलेंट को पोषण मिल सके तथा एवीजीसी-एक्सआर सेक्टर में हरियाणा को एक प्रमुख हब के रूप में स्थापित किया जा सके। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि पिंजौर स्थित ऐतिहासिक यादवेंद्र गार्डन में वेडिंग सिटी विकसित करने की अपार संभावनाएं मौजूद हैं।

नायब सरकार किसानों की फसल खरीद रही है समर्थन मूल्य पर : मैहला

कैथल. ढांड में भारतीय जनता पार्टी के मंडल स्तर पर संगठन को और अधिक सशक्त बनाने के उद्देश्य से शक्ति केंद्र प्रमुखों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष एवं मार्केट कमेटी चेयरमैन विजेंद्र मैहला जडौला ने की। बैठक के दौरान मंडल अध्यक्ष विजेंद्र मैहला जडौला ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए संगठन की मजबूती पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा की असली ताकत उसके समर्पित कार्यकर्ता हैं और पार्टी में कार्यकर्ताओं को पूरा स मान दिया जाता है। उन्होंने सभी शक्ति केंद्र प्रमुखों से आह्वान किया कि वे अपने-अपने बूथों को मजबूत करने के लिए सक्रिय भूमिका निभाएं और प्रत्येक वर्ग तक पार्टी की नीतियों को पहुंचाएं। उन्होंने आगामी 26 अप्रैल रविवार को होने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम मन की बात को बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों के साथ सामूहिक रूप से सुनने का आह्वान किया। साथ ही उन्होंने केंद्र और हरियाणा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने और अधिक से अधिक लोगों को भाजपा से जोडने की अपील की। चेयरमैन विजेंद्र मैहला जडौला ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार और हरियाणा की नायब सरकार समाज के हर वर्ग के उत्थान और कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आग्रह किया कि वे सरकार की उपलब्धियों और योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करें।

कनाडा में पढ़ रहे विद्यार्थियों पर निर्वासन का खतरा

करनाल. अमरीका के बााद कनाडा में पढ़ रहे विद्यार्थियों पर निर्वासन का खतरा मंडरा रहा हैं। कनाडा सरकार के नए कानून ने कनाडा में रह रहे भारतीय छात्रों की चिंता बढ़ा दी हैं। जिन छात्रों ने अवपने दस्तोवजों में हेराफ़ेरी की वह निर्वासन के मुहाने पर पहुंच रहे हैं । कनाडा सरकार के नए इमिग्रेशन कानून सी-12 बिल और सख्त ऑडिट रिपोर्ट ने भारतीय छात्रों की चिंता बढ़ा दी है। 2023-24 की ऑडिट रिपोर्ट के अनुसार, 1.53 लाख भारतीय छात्रों के स्टडी वीजा में गैप ईयर, एजुकेशन सर्टिफिकेट, आय प्रमाण पत्र जैसे दस्तावेजों में गड़बडियां मिली हैं। इनमें 45,900 हरियाणा और 53,550 पंजाब, 22,950 गुजरात व 30,600 अन्य राज्यों के हैं। हैं। इनकी कनाडा के इमिग्रेशन विभाग में जांच चल रही है। फर्जी दस्तावेज या अधूरी जानकारी पर छात्रों को डिपोर्ट कर पांच साल की रोक लगाई जा सकती है। पैकेज सिस्टम के जरिए जाने वाले छात्र सबसे अधिक जोखिम में हैं, क्योंकि एजेंटों ने उनके फॉर्म में फर्जी दस्तावेज लगाए हैं। नए कानून के तहत कनाडा पहुंचने के एक साल के अंदर ही शरण (रिफ्यूजी) के लिए आवेदन करना होगा, वरना अर्जी खारिज कर दी जाएगी।

ट्रैक्टर से टक्कर मारने व जानलेवा हमले के मामले में आरोपी काबू

टोहाना. थाना शहर टोहाना पुलिस ने मकान पर ट्रैक्टर से टक्कर मारकर नुकसान पहुंचाने व जानलेवा हमला करने के मामले में कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को काबू कर उसे न्यायिक हिरासत में भेजने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त ट्रैक्टर भी बरामद किया है। थाना शहर टोहाना प्रभारी निरीक्षक कुलदीप सिंह ने बताया कि शिकायतकर्ता राजेन्द्र सिंह पुत्र रणजीत सिंह निवासी गांव माधूवाना, तहसील टोहाना, जिला फतेहाबाद ने शिकायत दी कि दिनांक 05 अप्रैल 2026 की रात करीब 10.00 बजे आरोपी अपने ट्रैक्टर पर सवार होकर उसके मकान पर आया और ट्रैक्टर से बार-बार टक्कर मारकर मकान को नुकसान पहुंचाया। इस दौरान आरोपी ने शिकायतकर्ता को कुचलकर जान से मारने का प्रयास भी किया तथा उसके व परिवार के साथ गाली-गलौच, मारपीट कर जान से मारने की धमकियां दीं। शिकायत के आधार पर थाना शहर टोहाना में अभियोग संख्या 110 दिनांक 18.04.2026 धारा 296, 324(4), 333, 351(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को काबू किया। आरोपी की पहचान कमलजीत उर्फ कमल पुत्र बैंत निवासी गोबिंदपुरा माधूवाला, जिला फतेहाबाद के रूप में हुई। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त ट्रैक्टर बरामद कर लिया है।

वर्किंग जनर्लिस्टस एसोसिएशन के तत्वाधान में प्राकृतिक खेती पर आयोजित सेमिनार

प्राकृतिक खेती घाटे का सौदा नहीं है : राज्यपाल आचार्य देवव्रत

पंचकूला ऑब्जर्वर

भिवानी. गुजरात के महामहिम राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने कहा कि प्राकृतिक खेती घाटे का सौदा नही है। गुजरात में शुरू किया गया प्राकृतिक खेती का मॉडल भारत सरकार को भेजा हुआ है, जिसमें महिलाओं को भी मास्टर ट्रेनर तैयार करना व तीन-तीन गांवों का कलस्टर बनाकर किसानों व आमजन को प्राकृतिक खेती के बारे में जागरूक करना शामिल है। गुजरात के विश्व विद्यालयों में प्राकृतिक खेती पर सेमिनार आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती के विस्तार के लिए संगठित होकर जागरूकता ही मुख्य विकल्प बताया।

महामहिम राज्यपाल बया पर्यटक केंद्र में वर्किंग जर्नलिस्टस एसोसिएशन द्वारा आयोजित प्राकृतिक खेती पर पत्रकारों से संवाद कार्यक्रम में अपना संदेश दे रहे थे, जिसमें भिवानी के विधायक घनश्याम सर्राफ, बादली से विधायक कुलदीप वत्स, चौ. बंसीलाल विश्वविद्यालय की कुलगुरु प्रो.दीप्ति धर्माणी, प्रमुख समाजसेवी बृजलाल सर्राफ, पूर्व मंत्री डॉ. वासुदेव शर्मा, प्रमुख समाजसेवी संपूर्ण सिंह, पूर्व सूचना आयुक्त भूपेंद्र धर्माणी, दीपक बंसल के अलावा बड़ी संख्या में बुद्धिजीवी अनेक वरिष्ठ पत्रकार व छायाकार तथा शहर के अनेक उद्योगपति, समाजसेवी व गणमान्य नागरिक भी शामिल हुए। इस अवसर पर भिवानी महापंचायत द्वारा सीबीएससी की 10वीं की परीक्षा में 499/500 अंक प्राप्त करने वाली वैश्य मॉडल स्कूल की छात्रा, उसके अध्यापकों व अभिभावकों को भी सम्मानित किया गया। भिवानी महापंचायत के सरंक्षक प्रमुख समाजसेवी बृजलाल सर्राफ ने आए हुए अतिथियों व पत्रकारों का स्वागत किया।

राज्यपाल देवव्रत ने कहा कि हमारे मकानों में रसोई की तरह ही धरती पौधों की रसोई है, जिसमें सभी खनिज तत्व जड़वत हैं। उन्होंने कहा कि हमें धरती में विद्यमान तत्वों, मित्र कीट, केचुओं को बचाना है, जो सूक्ष्म जीवाणुओं का निर्माण करते हैं। उन्होंने चिंता प्रकट करते हुए कहा कि आज भूजल लगातार गिरता जा रहा है और जहर भी हो गया है। आज की जहरयुक्त खेती के साथ-साथ आने वाले समय में पीने के लिए पानी भी नहीं मिलेगा। उन्होंने प्राकृतिक खेती के उत्पादन के लिए सूक्ष्म जीवाणु तैयार करने के लिए गोबर, मूत्र का फार्मूला भी बताया।

उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती घाटे का सौदा नहीं है। वे कुरुक्षेत्र में अपने 200 एकड़ के खेत में पूरा साल विभिन्न फसलों की पैदावार लेते हैं। इसको अपनाकर किसान हर महीने आमदनी ले सकता है। उन्होंने कहा कि किसानों को चाहिए कि वे प्राकृतिक खेती के साथ-साथ देसी गाय को पालें। हमने रासायनिक खादों के प्रयोग से जमीन को बंजर बनाने के साथ-साथ देसी गायों की करीब 55 नस्लों को भी खत्म कर दिया है। इन नस्लों को फिर से लाने की जरूरत है। देसी गाय हमारे लिए भगवान का वरदान है। गाय के एक ग्राम गोबर में 300 करोड़ से अधिक विभिन्न प्रकार के बैक्टीरिया होते हैं। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती देसी गाय के गोबर और गौमूत्र पर आधारित है, जबकि जैविक खेती में केवल गोबर की खाद डालते हैं, जिससे उत्पादन नहीं बढ़ता है। प्राकृतिक और जैविक खेती दोनों अलग-अलग तरह की होती हैं। उन्होंने कहा कि हरित क्रांति के समय धरती पर सूक्ष्म जीवाणों का भंडार था, लेकिन समय के साथ-साथ रसायनिक प्रयोगों ने धरती को बंजर बना दिया। अगर स्थिति यही रही तो आने वाले समय में धरती पर बोझ और बढेगा तथा मानव जीवन खतरे में पड़ जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस बात से बेहद चिंतित हैं कि धरती बंजर हो रही है और मानव जीवन बीमारियों से घिरता जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हुए हैं। उन्होंने कहा कि किसानों को इस बात के लिए प्रेरित करें कि वे अपने लिए खेत के उतने हिस्से में प्राकृतिक खेती जरूरी करें, जिससे उसके घर का काम चल सके। प्राकृतिक खानपान ही अपनाएं। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक अनाज व सब्जियों की मांग बढ़ेगी तो इसका विस्तार भी बढ़ेगा। इस अवसर पर जिले के 2 दर्जन से अधिक पत्रकारों को भी सम्मानित किया गया। जगबीर घणघस, श्रीभगवान वशिष्ठ, कृष्ण सरदार, अनिल यादव,नवनीत शर्मा, मयूर जांगड़ा, हरी किशन, राकेश कुमार, प्रदीप चौहान, अजय नायक, रवि जांगड़ा, दीपक मुटरेजा, दीपक कुमार, सुनिल शर्मा, अनुपम शर्मा व विरेंद्र तंवर, जगबीर जेडी, राजु डुडेजा, संजय वर्मा, गुलशन वर्मा, शिव गुलिया, विनोद शर्मा, नरेंद्र नैनू, संजय कोकचा, राजकुमार डुडेजा, नरोत्तम बागड़ी, केसरी शमा, पवन मित्तल, अशोक शर्मा, मदन श्योराण, मिंटू सिंह, सूखबीर सिंह व अन्य थे।

पीएम श्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

भिवानी. पृथ्वी दिवस के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, भिवानी के निर्देशानुसार ग्रीन जस्टिस इनिशिएटिव के अंतर्गत बी. आर. सी. एम. लॉ कॉलेज द्वारा पीएम श्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, बहल में जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण एवं संबंधित विधिक प्रावधानों के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण कानूनों, राष्ट्रीय हरित अधिकरण (ह्लत्र्ञ) की भूमिका तथा भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 एवं 48 के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। डॉ. भारती, डॉ. प्रीत सिंह एवं डॉ. राज रानी के साथ विधि महाविद्यालय के विद्यार्थी नितेश, भव्या, आरती, प्रीति एवं छोटी मुख्य वक्ताओं के रूप में शामिल हुए और उन्होंने विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के महत्व के बारे में प्रेरित किया। विद्यालय के प्राचार्य श्री विष्णु कुमार ने सभी अतिथियों का स्वागत किया तथा विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण हेतु प्रेरित करते हुए अपने विचार व्यक्त किए।

थकावट ही नहीं, पित्त का असंतुलन आंखों को पहुंचाता है नुकसान

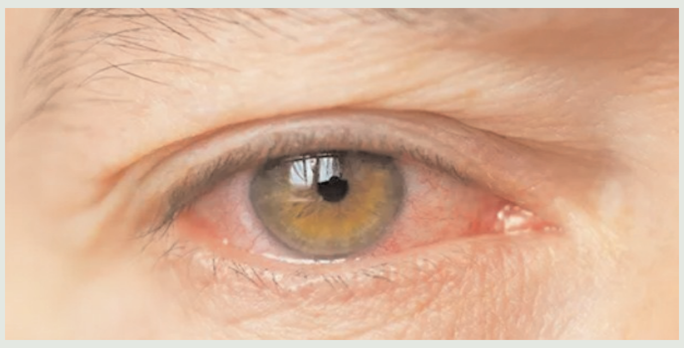

आंखें हमारे शरीर का सबसे अहम हिस्सा होती हैं, जिसकी देशभाल करना शरीर के बाकी अंगों की तरह ही जरूरी है। आज के समय में सारा समय कंम्प्यूटर के सामने बैठकर निकल जाता है, जिससे आंखों में भारीपन और पानी आना साधारण समस्या है लेकिन अगर सुबह उठते ही आंखों में भारीपन, जलन और चिपचिपाहट होती है तो यह आंखों की थकावट का नहीं, बल्कि शरीर की भीतरी गड़बड़ी का संकेत हैं। आयुर्वेद में आंखों में होने वाली जलन, भारीपन या चिपचिपाहट को शरीर के पित्त से जोड़कर देखा गया है। पित्त के असंतुलन से आंखों पर गहरा प्रभाव पड़ता है। आयुर्वेद मानता है कि यह सिर्फ नींद न पूरी होने के लक्षण नहीं बल्कि शरीर के अंदर पित्त और टॉक्सिन के बढ़ने का संकेत है। शरीर में पित्त की अधिकता होने से शरीर में गर्मी औ जलन बढ़ती है, जिसका प्रभाव आंखों पर ही पड़ता है। इसके साथ ही देर से स्क्रीन को देखना, मोबाइल का इस्तेमाल ज्यादा करना, नींद न पूरी होना, लिवर पर अधिक दबाव महसूस होना भी इसके पीछे के मुख्य कारण हो सकते हैं। आयुर्वेद मानता है कि आंखें शरीर के पित्त से जुड़ी हैं, और पित्त शरीर के रक्त से, और रक्त पाचन और लिवर से जुड़ा है। लिवर पर पड़ता दबाव पाचन को प्रभावित करता है, पाचन रक्त को, और रक्त पित्त को प्रभावित करता है। कुल मिलाकर ये सभी चीजें मिलकर शरीर में काम करती हैं, और इसका प्रभाव आंखों पर देखने को मिलता है। अब सवाल है कि इससे आराम पाने के लिए क्या करें। इसके लिए रात को हल्का भोजन करें, सुबह उठते ही ठंडे पानी से आंखों को धोएं, दिन में दो बार त्रिफला जल से आंखों को साफ करें, ठंडी खीरा या ककड़ी से आंखों को आराम दें, और स्क्रीन टाइम कम करें। इसके साथ आहार में विटामिन ए, सी, और ई को शामिल करें। आवंला, अनार, गाजर, शकरकंद, कद्दू, पपीता, दूध, और अंडे जैसे आहार को शामिल करें।

ऑपरेशन थिएटर से रैंप तक- डॉ. इशिता जोशी ने जीता 'नारीफर्स्ट् ज्वेल ऑफ इंडिया सीजन 3'

इंदौर की डॉक्टर बनीं ब्यूटी क्वीन- डॉ. इशिता जोशी की जीत ने रचा नया इतिहास

सफेद कोट से क्राउन तक- डॉ. इशिता जोशी ने रचा सफलता का नया अध्याय

कभी ऑपरेशन थिएटर में सर्जिकल स्किल्स से ज़िंदगियां संवारने वाली और अब रैंप पर आत्मविश्वास से चमक बिखेरने वाली डॉ. इशिता जोशी ने एक ऐसी मिसाल पेश की है, जो पेशे और पैशन के खूबसूरत संगम को दर्शाती है। इंदौर की इस प्रतिभाशाली स्त्री रोग विशेषज्ञ ने प्रतिष्ठित 'नारीफर्स्ट् ज्वेल ऑफ इंडिया सीजन 3' में 'प्रिंसेस कैटेगरी' का खिताब जीतकर न सिर्फ अपने शहर, बल्कि पूरे मेडिकल समुदाय को गौरवान्वित किया है। इस भव्य समारोह में बॉलीवुड अभिनेत्री मलाइका अरोरा ने उन्हें ताज पहनाया, जिससे यह पल और भी खास बन गया। मध्य प्रदेश के छोटे से शहर नीमच से निकलकर राष्टीय मंच तक पहुंचने का उनका सफर संघर्ष, मेहनत और आत्मविश्वास की प्रेरक कहानी है। एमबीबीएस, एमएस और कई उन्नत सर्जिकल डिग्रियों से लैस डॉ. इशिता जोशी एक कुशल लैप्रोस्कोपिक सर्जन और कॉस्मेटिक गायनेकोलॉजिस्ट हैं। महिलाओं के स्वास्थ्य के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और उत्कृष्टता के साथ-साथ यह उपलब्धि यह भी दर्शाती है कि आज की महिलाएं अपने करियर के साथ-साथ अपने सपनों को भी उतनी ही मजबूती से जी रही हैं। अपनी जीत पर उन्होंने कहा, यह मंच महिलाओं की शक्ति, बुद्धिमत्ता और व्यक्तित्व का उत्सव है।

दिल, दिमाग और डर—तीनों को झकझोरेगी 'पंख होते तो उड़ जाते'

मुंबई में आयोजित एक ग्लैमरस इवेंट में अपकमिंग फिल्म पंख होते तो उड़ जाते का ट्रेलर और म्यूज़िक लॉन्च किया गया, जिसने आते ही सस्पेंस और थ्रिल का जबरदस्त माहौल बना दिया। सुदेश बेरी, शहबाज़ ख़ान और अवतार गिल जैसे दिग्गज कलाकारों की मौजूदगी ने इवेंट को खास बना दिया, वहीं मुख्य अतिथि अनूप जलोटा ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से शाम को और यादगार बना दिया। ट्रेलर लॉन्च के दौरान फिल्म की रहस्यमयी कहानी, इंटेंस बैकग्राउंड स्कोर और ट्विस्ट से भरपूर दृश्यों ने दर्शकों और मीडिया का ध्यान खींचा।

फिल्म का म्यूज़िक रेड रिबन म्यूजिक के बैनर तले रिलीज़ हुआ, जिसके गाने बिजली हूं मैं और नज़रों ने तेरी मुझसे पहले ही चर्चा बटोर रहे हैं। दिवंगत निर्देशक शिवा त्रिपाठी की यह फिल्म टीम के लिए बेहद भावनात्मक प्रोजेक्ट है। लॉन्च के दौरान उन्हें श्रद्धांजलि भी दी गई। निर्माता सैम पटेल ने कहा, यह सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक सपना है, जो शिवा त्रिपाठी के जुनून का नतीजा है। हमें भरोसा है कि दर्शक इसके सस्पेंस और इमोशन्स से जुड़ेंगे। 1 मई 2026 को रिलीज़ होने जा रही यह फिल्म अपने दमदार कंटेंट और स्टारकास्ट के साथ दर्शकों को एक अलग सिनेमाई अनुभव देने के लिए तैयार है।

सिमरन बग्गा का 'Saa-E-Yaa' दिलों को छूने को तैयार

सोशल मीडिया की दुनिया से निकलकर म्यूज़िक और विज़ुअल स्टोरीटेलिंग में अपनी अलग पहचान बना रहीं सिमरन बग्गा अब अपने नए म्यूजिक वीडियो Saa-E-Yaa के साथ दर्शकों को एक भावनात्मक सफर पर ले जाने के लिए तैयार हैं। गोवा की खूबसूरत लोकेशंस पर फिल्माया गया यह रोमांटिक गीत न सिर्फ आंखों को सुकून देता है, बल्कि दिल को भी छूने का दावा करता है। खास बात यह है कि सिमरन इस प्रोजेक्ट में सिर्फ लीड एक्ट्रेस ही नहीं, बल्कि डायरेक्टर की भूमिका में भी नजर आएंगी। गाने में उनके साथ अर्पितोष अशोक दिखाई देंगे, जबकि संगीत की कमान अमित मुथरेजा, परिवेश सिंह और सागर लाहौरी की टीम ने संभाली है। गाने की कहानी पहले प्यार, जुदाई और एहसास की उस कशमकश को दिखाती है, जो आज की पीढ़ी के रिश्तों को आईना दिखाती है। सिमरन कहती हैं, आज के दौर में रोज़ कई गाने आते हैं, लेकिन हमने ऐसी धुन चुनी है जो लोगों के दिलों में बस जाए। पूरी टीम ने इसे बेहद शिद्दत से बनाया है और फाइनल आउटपुट देखकर मैं संतुष्ट हूं। वह आगे जोड़ती हैं, समंदर की लहरें सुकून देती हैं, इसलिए गोवा की लोकेशन इस गाने की भावना से पूरी तरह मेल खाती है। अपने विज़न और जुनून के साथ, सिमरन बग्गा का साईया अब रिलीज़ से पहले ही चर्चा का हिस्सा बन चुका है।

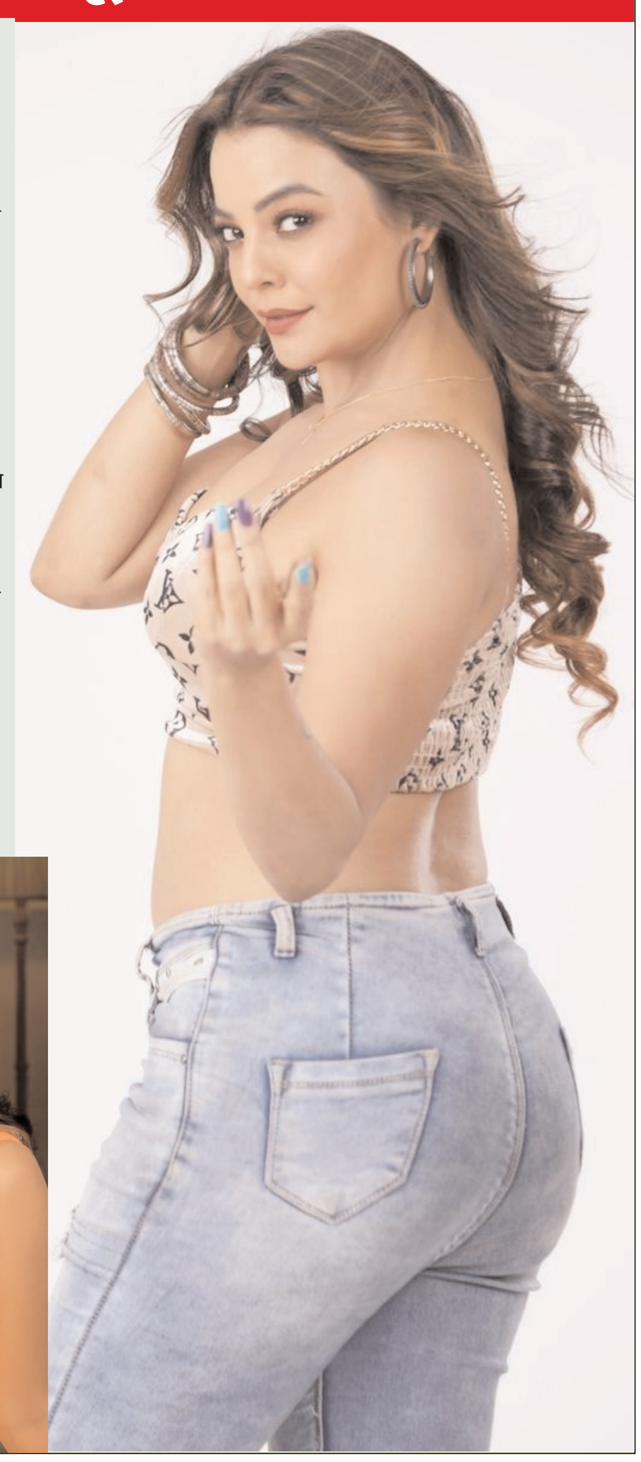

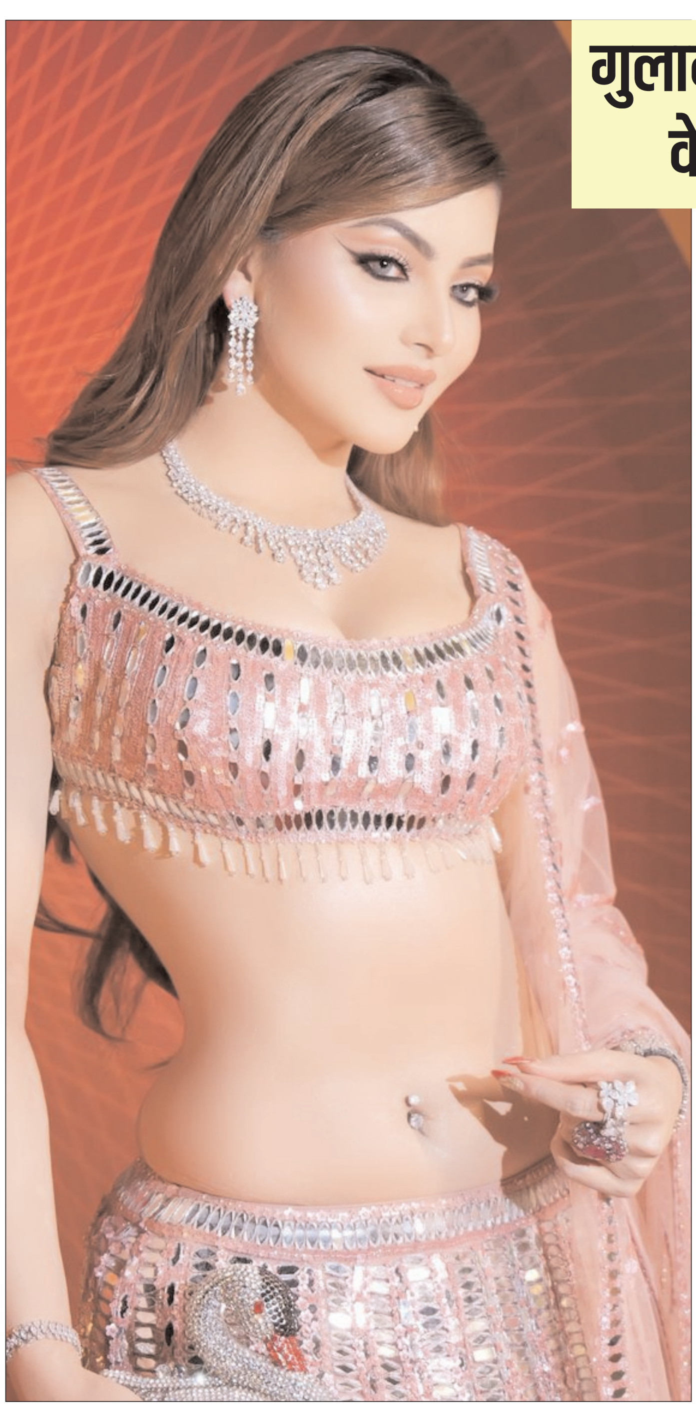

गुलाबी जलवे में उर्वशी रौतेला—इंडो-वेस्टर्न लुक ने लूटी महफ़िल

बॉलीवुड की ग्लैमरस दुनिया में जब भी फैशन की बात होती है, उर्वशी रौतेला का नाम अपने आप चर्चा में आ जाता है। हाल ही में एक प्रतिष्ठित अवॉर्ड समारोह में उन्होंने अपने शानदार गुलाबी इंडो-वेस्टर्न लुक से ऐसा जादू बिखेरा कि हर निगाह बस उन्हीं पर ठहर गई। करीब 70 लाख रुपये की कीमत वाले इस आउटफिट में उर्वशी ने पारंपरिक भारतीय शिल्प और आधुनिक डिजाइन का ऐसा संगम पेश किया, जिसने उन्हें भीड़ से अलग खड़ा कर दिया। बारीक कारीगरी, फ्लोइंग सिल्हूट और सॉफ्ट पिंक शेड ने उनके लुक को रॉयल और ट्रेंडी दोनों बनाया। इस आउटफिट के साथ चुनी गई स्टेटमेंट ज्वेलरी, सलीके से स्टाइल किए गए बाल और ग्लोइंग मेकअप ने उनकी खूबसूरती में चार चांद लगा दिए। उर्वशी का यह अंदाज़ सिर्फ एक फैशन चॉइस नहीं, बल्कि एक आत्मविश्वास भरा स्टेटमेंट था, जिसमें उन्होंने बिना झिझक एक्सपेरिमेंटल फैशन को अपनाया। तेजी से बदलते ट्रेंड्स के बीच यह लुक साबित करता है कि इंडो-वेस्टर्न स्टाइल आज भी टाइमलेस है—बस उसे सही तरीके से पेश करने की जरूरत है। उर्वशी रौतेला का यह अवतार उन्हें एक सच्चे ग्लोबल फैशन आइकन के रूप में स्थापित करता है, जो ट्रेंड्स को फॉलो नहीं, बल्कि खुद गढ़ती हैं।

बैंगल्स में फिर चमकी संजू-ईशा की जोड़ी

मराठी पॉप की नई लहर को आकार देने वाले उभरते सितारे संजू राठौड़ एक बार फिर अपने ताज़ा ट्रैक बैंगल्स के साथ सुर्खियों में हैं—और इस बार उनके साथ हैं स्क्रीन पर जादू बिखेरने वाली ईशा मालवीय। गुलाबी साड़ी और शेकी जैसे हिट गानों के बाद यह जोड़ी फिर से वही केमिस्ट्री लेकर आई है, जो दर्शकों को पहले ही दीवाना बना चुकी है। बैंगल्स सिर्फ एक गाना नहीं, बल्कि एक विजुअल और म्यूज़िकल एक्सपीरियंस है, जहां रेगे बीट्स और मराठी फोक का अनोखा मेल सुनने को मिलता है। हल्की-फुल्की लव स्टोरी पर आधारित यह ट्रैक कूल वाड़ी की रंगीन दुनिया में सेट है, जहां देसी अंदाज़ को मॉडर्न स्टाइल के साथ पेश किया गया है। संजू का सिग्नेचर क्रॉस-कल्चरल साउंड और ईशा की स्क्रीन प्रेज़ेंस मिलकर इस गाने को एक फील-गुड एंथम बना देते हैं। पियूष-शाज़िया की डायरेक्शन-कोरियोग्राफी और जी-स्पार्क का म्यूज़िक प्रोडक्शन इस प्रोजेक्ट को और खास बनाता है। बैंगल्स के साथ संजू राठौड़ न सिर्फ अपनी पहचान को और मजबूत कर रहे हैं, बल्कि मराठी पॉप को ग्लोबल मंच पर ले जाने की तैयारी भी दिखा रहे हैं।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी : श्री शिवम ग्रोवर, मुद्रक : इंप्रेशन प्रिंटिंग प्रेस एंड पैकेजिंग लिमिटेड, भूतल प्लांट नं.-22, प्रथम तल, औद्योगिक क्षेत्र, फेज-2, पंचकूला में मुद्रित। प्रकाशन स्थल : पंचकूला ऑब्जर्वर, प्लॉट नं.-365, औद्योगिक क्षेत्र, फेज-1, पंचकूला। मुख्य संपादक : श्री अरुण ग्रोवर, समाचार चयन एवं प्रकाशन की समस्त जिम्मेदारी प्रेस एवं रजिस्ट्रेशन ऑफ पीरियोडिकल्स (PRP) एक्ट के अंतर्गत पंचकूला न्यायालय क्षेत्राधिकार में निहित होगी। RNI पंजीकरण संख्या : HRB/L/25/A3417 संपर्क मोबाइल : 98888-86909, ई-मेल : panchkulaobservernews@gmail.com